''राष्ट्रीय हिंदी दैनिक अखबार''

समाचार गेट

TITLE CODE : HARHIN11569

वर्ष 02, अंक 26 पृष्ठ 08 मूल्य 01 रूपए रविवार, 26 जनवरी 2025 samachargate@gmail.com

जरूरी सूचना

सुधी पाठकों को सूचित किया जाता है कि समाचार गेट के नाम पर अगर कोई पत्रकार आपसे पैसे की मांग करता है तो कृपया 9212339503 पर संपर्क करें। समाचार गेट में कार्य कर रहे पत्रकार सिर्फ वही हैं जिनके नाम से खबर छपती हैं।

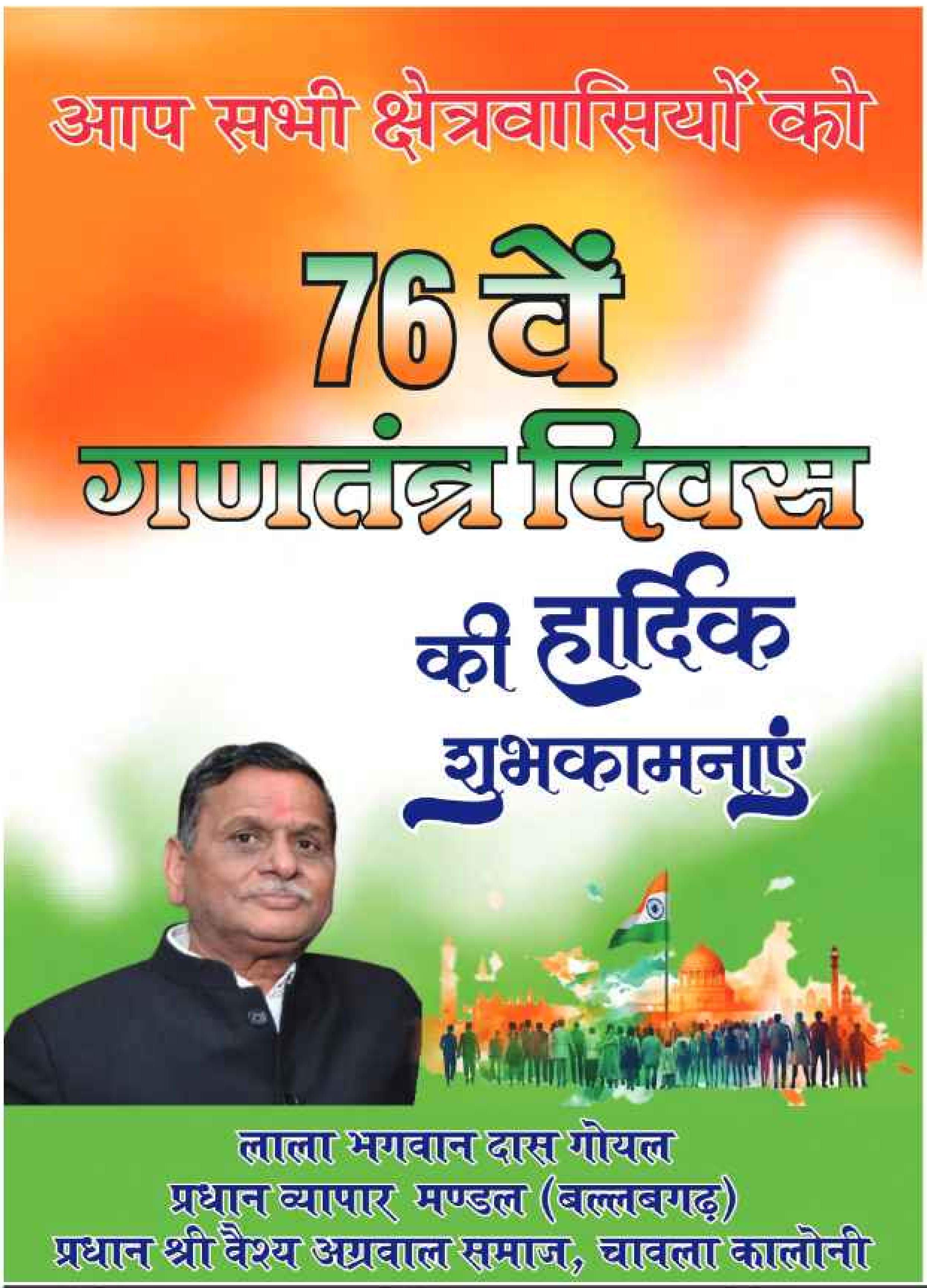

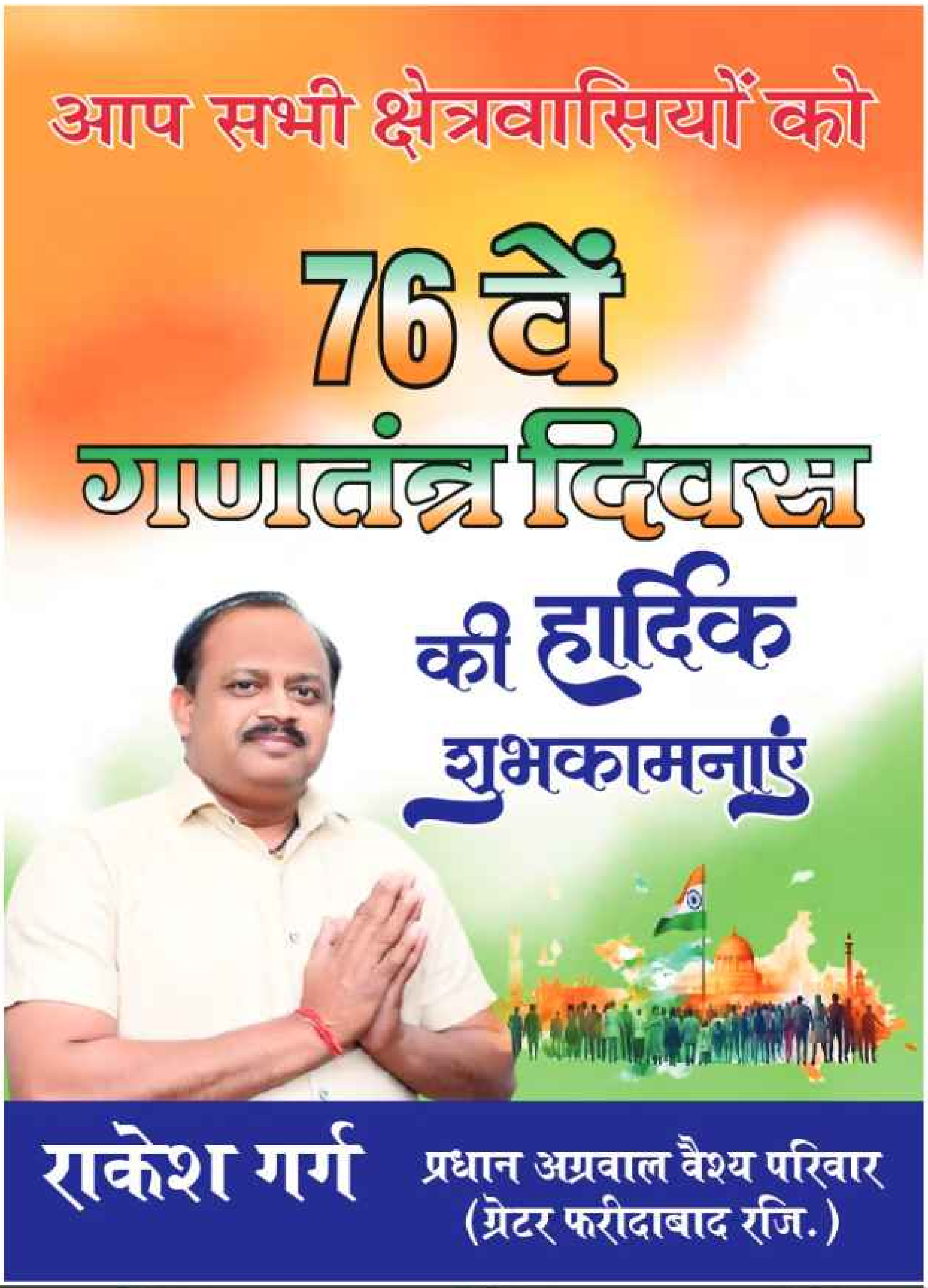

महाकुंभ में योगी ने भंडारे में भोजन परोसा

संतों से बोले- बांटने वाली ताकतों से सावधान रहें, यहां से सनातन धर्म की एकता का संदेश जाना चाहिए

प्रयागराज। सीएम योगी शनिवार को प्रयागराज में हैं। वह महाकुंभ में विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के कैंप पहुंचे। यहां साधु-संतों की मौजूदगी में योगी ने कहा- आप बांटने वाली ताकतों से सावधान रहिए। भारत अपनी समृद्धि और पहचान पूरे विश्व में बना लेगा। कुंभ का संदेश ऐसा होना चाहिए कि हम जाति के नाम पर नहीं बंटेंगे।

क्षेत्र और भाषा के नाम पर नहीं बंटेंगे। इससे पहले योगी ने महाकुंभ के श्री कल्याण सेवा आश्रम में श्रृंगेरी शंकराचार्य भारती तीर्थ जी महाराज से मुलाकात की। उन्हें शॉल ओढ़ाया। फल की टोकरी भेंट की और आशीर्वाद लिया। यहां भंडारे में योगी ने भोजन भी परोसा। वीएचपी के कार्यक्रम में योगी ने कहा- कुंभ से पूरे देश में सनातन धर्म की एकता का संदेश जाना चाहिए। त्रिवेणी का संदेश- एकता से अखंड रहेगा यह देश। यह देश अखंड रहेगा तो सनातन धर्म भी सुरक्षित है। अयोध्या की तरह जो आपकी तमन्ना है, वह सब तो साकार होना ही है। याद रखना, ये सदी भारत की सदी है। 10 दिन में 10 करोड़ श्रद्धालु महाकुंभ पहुंचे। ये सब संतों के सानिध्य से हो रहा है। 45 दिन में 45 करोड़ श्रद्धालु आएंगे। संतों से योगी ने कहा- सबका लक्ष्य सनातन धर्म के मूल्यों की रक्षा करने की होनी चाहिए। आप एकता पर ध्यान दीजिए।

भारत समृद्धि की नई ऊंचाई को प्राप्त कर लेगा। गुलामी के कालखंड में संतों ने सनातन की रक्षा के लिए काम किया। आज भी आप कर सकते हैं। योगी ने कहा- अशोक सिंघल का स्मरण याद आता है। संतों को एकजुट करने के लिए वे प्राण-प्रण से लगते थे। नेपाल हो या भूटान, किसी संत के ऊपर उंगली उठती थी तो श्रद्धेय अशोक सिंघल जी सबसे चिंतित दिखते थे। विश्व हिंदू परिषद के विराट संत सम्मेलन में उट योगी ने कहा- भारत की सनातन धर्म की परंपरा का भव्य और दिव्य रूप महाकुंभ नगर से पूरी दुनिया देख रही है। याद करिए, 1980 के बाद जब भी कुंभ और महाकुंभ का आयोजन हुआ, श्लढ और संतों ने जो संकल्प लिया, मूर्तरूप लिया। पिछले साल पूरी दुनिया ने देखा, अयोध्या में 500 वर्षों बाद राम मंदिर बना। 2016 में अयोध्या में 2 लाख 36 हजार श्रद्धालु गए थे। वहीं, 2024 में 12 से 15 करोड़ श्रद्धालु पहुंचे। एक नई अयोध्या और काशी के दर्शन हो रहे हैं। भव्य और दिव्य कुंभ के दर्शन हो रहे हैं। आस्था और आधुनिकता दिखाई दे रही है। अविरल गंगा दिखाई दे रही हैं। ये सब संतों के संकल्प का ही परिणाम है।योगी ने कहा- प्राण प्रतिष्ठा के बाद जब श्रद्धालुओं के लिए मंदिर खुला तो भीड़ अनुमान से ज्यादा थी। हमें व्यवस्था देखने के लिए आना पड़ा था। तब मैंने देखा, कोई राम मंदिर का पिलर पकड़ कर, कोई जमीन पर लुढ़क कर आंसू बहाता हुआ अपने पूर्वजों का स्मरण कर रहा था।

यही दिन देखने के लिए तो हमारे पूर्वजों ने जीवन जिया था। हमें एक प्रेरणा देकर वे चले गए। याद रखना, संकल्प को साकार करने के लिए धैर्य चाहिए, उतावलापन नहीं। सनातन धर्म एक विराट वट वृक्ष है। सनातन धर्म की तुलना किसी झाड़ी से नहीं हो सकती है।योगी ने कहा- 500 वर्षों में हमारी पीढ़ी सबसे सौभाग्यशाली है कि हम अयोध्या का दिव्य रूप देख पा रहे हैं। हमारे पूर्वजों की इच्छा आज पूरी हुई है। हम सब जब अयोध्या के दर्शन करते हैं तो अपने पूर्वजों को भी स्मरण करते हैं। प्रभु राम के चरणों में जब नमन करते हैं तो सिर्फ अपनी ओर से नहीं करते हैं। उट योगी शंकराचार्य अवधेशानंद के शिविर पहुंचे। जहां उन्होंने अवधेशानंद से मुलाकात की। उन्होंने कहा- जब हम संत एक साथ मिलते हैं, तो ऐसे मिलते हैं जैसे 'गुरु भाई' मिल रहे हों। आपस में कोई भेद नहीं होता। पूर्ण विश्वास है कि महाकुंभ के संदेश को हम हर सनातन धर्मावलंबी के घर तक पहुंचाने का काम करेंगे। आयोजन से जुड़े सभी संत, महामंडलेश्वर के प्रति हृदय से आभार और अभिनंदन।

सीएम ने कहा- यह हमारा सौभाग्य है कि हम महाकुंभ के आयोजन में जुड़ रहे हैं। हमारी सेना सीमा पर सुरक्षा का काम कर रही है। सनातन धर्म एक विराट वट वृक्ष है, इसकी तुलना किसी झाड़-झंखाड़ से नहीं करनी चाहिए। सनातन धर्म पर संकट आएगा तो फिर भारत के अंदर कोई भी पंथ और संप्रदाय अपने आप को सुरक्षित महसूस नहीं कर पाएगा। वह संकट सभी के ऊपर आएगा। यह ताकत है सनातन धर्म की और यही ताकत है हमारे संतों की। वहां कोई जाति, कोई पंथ, संप्रदाय और नाम नहीं पूछता है। योगी ने कहा- हम सभी भाग्यशाली हैं कि हमें महाकुंभ का साक्षी बनने का अवसर मिला। पौष पूर्णिमा के अवसर पर बड़ी संख्या में लोगों ने गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों के पवित्र संगम-त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई। पीएम मोदी ने सही कहा है कि यह सदी भारत की है।

मतदाता जागरूकता हेतु विभिन्न कार्यक्रम अयोजित

संवाददाता

हमीरपुर। तहसील-सरीला में उपजिलाधिकारी सरीला, विपिन कुमार शिवहरे की अध्यक्षता में मतदाता जागरूकता हेतु विभिन्न कार्यक्रम अयोजित किये गए। मतदाता जागरूकता रैली से प्रारंभ करते हुए आयोजन की शुरूआत हुई। श्री शल्लेश्वर इण्टर कॉलेज सरीला से उपजिलाधिकारी सरीला द्वारा रैली को हरी झण्डी दिखा कर रैली को प्रारंभ किया गया। रैली में श्री शल्लेश्वर इण्टर कॉलेज, राजकीय इण्टर कॉलेज, राजकीय आई0टी0आई0 व अन्य विद्यालयों के छात्र/छात्राओं, अध्यापक गण, नगर के बुजुर्ग मतदाता, युवा मतदाता, बी0एल0ओ0, सुपरवाइजर व अधिकारी/कर्मचारी गण सम्मिलित हुये। रैली नगर क्षेत्र में भ्रमण करते हुये तहसील प्रांगण में उपस्थित तमाम गणमान्य, शिक्षक, विद्यार्थियों, कार्मिकों को मतदाता जागरूकता हेतु शपथ दिलाते हुए कार्यक्रम स्थल पर समाप्ति हुई। राष्ट्रीय मतदाता दिवस को पूर्ण हर्षोल्लास से मनाते हुये 80+ बुजुर्ग मतदाता को माला पहना कर, शॉल-श्रीफल भेंट करते हुये सम्मानित किया गया साथ ही 18 वर्ष पूर्ण कर चुके 06 युवा मतदाताओं को फोटोयुक्त मतदाता पहचान पत्र वितरित करके मतदान हेतु प्रेरित किया गया। निर्वाचन कार्य व मतदाता पुनरीक्षण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बी0एल0ओ0 श्री मनीष कुमार नलकूप चालक, श्री भरत कुमार सहायक अध्यापक, श्री अरूण कुमार स0अ0, श्री करन सिंह स0अ0, श्री जितेन्द्र स0अ0 व सुपरवाइजर पद पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले श्री कृष्ण कुमार तिवारी, श्री रामकृपाल व श्री रमाशंकर यादव को सम्मानित किया गया। मतदाता जागरूकता हेतु हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया। जिसमें उपजिलाधिकारी विपिन कुमार शिवहरे सहित तहसीलदार अनुभव चंद्रा, नायब तहसीलदार राममोहन एवं उपस्थित अधिवक्ताओं, कार्मिकों, शिक्षकों, विद्यार्थियों आदि द्वारा हस्ताक्षर बनाते हुए हुए अभियान पूर्ण किया गया। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के कार्यक्रम में उपजिलाधिकारी श्री विपिन कुमार शिवहरे, तहसीलदार श्री अनुभव चन्द्रा, नायब तहसीलदार श्री राममोहन कुशवाहा, श्री देवेन्द्र कुमार आर0के0, श्री सन्दीप लखेरा वी0आर0सी0, मीडिया बंधु, अधिवक्ता गण, सम्भ्रान्त मतदाता, युवा मतदाता व विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक गण एवं छात्र/छात्रायें उपस्थित रहें।।

एक्सीडेंट में महिला की मौत : डंपर ने मारी टक्कर

कानपुर । घाटमपुर के पतारा में तेज रफ्तार डंपर ने सड़क पार कर रही वृद्धा को टक्कर मारते हुए कुचल दिया। हादसे में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला को घायल अवस्था में पतारा सीएचसी पहुंचाया, डाक्टर ने प्राथमिक उपचार कर गंभीर हालत में कानपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जहां देर शाम महिला की मौत हो गई। पुलिस ने महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पतारा कस्बा की रहने वाली मालती गुप्ता अपने बेटे राहुल की गारमेंट्स की दुकान पर खाने का टिफिन देने जा रही थीं। कानपुर-सागर हाइवे पर स्थित पतारा पुलिस चौकी मोड़ के पास सड़क पार करते समय कानपुर की तरफ से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने उन्हें टक्कर मार दी। राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने गंभीर रूप से घायल मालती को एंबुलेंस से पतारा सीएचसी पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उन्हें कानपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जहां देर शाम उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। घाटमपुर के इंस्पेक्टर धनंजय कुमार पांडेय ने बताया कि मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जैन देवताओं की प्रतिमाओं का बरेली में भव्य स्वागत

बरेली । जैन समाज ने जयपुर से पधारी भगवान की प्रतिमाओं का भव्य स्वागत किया। पंचकल्याणक से अभिमंत्रित एक दर्जन नई प्रतिमाओं को लेकर बिहारीपुर पुलिस चौकी से भव्य रथ यात्रा निकाली गई। श्रद्धालुओं ने ढोल-नगाड़ों की थाप पर नृत्य करते हुए जयकारे लगाए। मीडिया प्रभारी सौरभ जैन ने बताया कि इन प्रतिमाओं में दो पाषाण, दो रत्न, दो चांदी और शेष जर्मन सिल्वर से निर्मित हैं। प्रतिमाओं के लिए छह फुट नौ इंच ऊंची और तीन फुट सात इंच क्षेत्रफल में तीन सुंदर वेदियां तैयार की गई हैं। उप मंत्री राजेश जैन के अनुसार, इन प्रतिमाओं में श्री आदिनाथ, चंदा प्रभु, मुनि सुव्रतनाथ, नेमीनाथ, पार्श्वनाथ, शांतिनाथ, बाहुबली, भरत स्वामी और पुष्पदंत जी की मूर्तियां शामिल हैं। मंत्री प्रकाश चंद्र जैन ने बताया कि 24 से 26 फरवरी तक वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव मनाया जाएगा, जिसमें इन प्रतिमाओं को नई वेदी में स्थापित किया जाएगा। मुनि श्री 108 समत्व सागर जी महाराज के निर्देश पर, प्रतिमाओं के आगमन के दौरान किसी भी जीव की अनजाने में हुई विराधना की शांति के लिए विशेष शांति विधान का आयोजन किया जाएगा।

मेरठ में 5 हत्याओं का आरोपी नईम बाबा मारा गया

मेरठ । पति, पत्नी और 3 बेटियों की हत्या का आरोपी एनकाउंटर में ढेर हो गया। रस्ढ डॉ. विपिन ताडा ने बताया कि आज सुबह करीब 4 बजे पुलिस ने आरोपी को घेरा तो फायरिंग करने लगा। जवाबी फायरिंग में आरोपी के सीने में गोली लग गई। पुलिस उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंची। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मुठभेड़ लिसाड़ी गेट के पास हुई। आरोपी नईम बाबा 50 हजार का इनामी था। रस्ढ ने बताया- नईम दिल्ली और महाराष्ट्र में हत्या और लूट की वारदातों को अंजाम दिया था। वह अपना वेष और नाम बदलकर रह रहा था। पुलिस को इसकी तलाश थी। नईम ने 9 जनवरी को अपने सौतेले भाई के पूरे परिवार की हत्या की थी। इस हत्याकांड में उसका दूसरा साथी फरार चल रहा है। उस पर भी 50 हजार रुपए का इनाम है। जल्द ही उसे पकड़ा जाएगा। लिसाड़ी गेट इलाके के सोहेल गार्डन कालोनी में मिस्त्री मोईन अपनी पत्नी आसमा और 3 बेटियों अक्सा (8), अजीजा (4) अलईफ्सा (1) के साथ किराए के मकान में रहते थे। 9 जनवरी को परिवार के पांचों लोगों की हत्या कर दी गई थी। घर के अंदर पति-पत्नी के शव चादर में लिपटे मिले थे, जबकि उनकी तीन बेटियों की लाश को बोरी में भर कर बॉक्स में छिपाया गया था। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के अनुसार, हत्यारों ने मोईन और आसमा के सिर पर लोहे की रॉड से 10 से अधिक बार वार किए। फिर पत्थर काटने वाली मशीन से दोनों का

गला काट दिया। दोनों बड़ी बेटियों के सिर पर भी रॉड से हमला किया। बच्चियों के सिर की हड्डियां तक तोड़ दी। एक साल की छोटी बेटी का गला घोंटकर मार डाला था। वारदात के बाद सूचना पर पुलिस पहुंची तो पूछताछ में नईम का नाम सामने आया। घटना के दिन आरोपी नईम अपने साले सलमान के साथ मोईन के घर ही रुका था। वारदात के बाद नईम और सलमान नंगे पांव ही सोहेल गार्डन से निकले थे। दोनों के कंधे पर झोला था। पुलिस ने उसे पकड़ने के लिए 8 टीमों का गठन किया था।

लिसाड़ी गेट के आसपास लगे सीसीटीवी में नईम और सलमान घूमते नजर आए थे। हत्याकांड के 2 दिन बाद यानी 11 जनवरी को पुलिस ने नईम और सलमान पर 25 हजार का इनाम घोषित किया था। 5 दिन पहले इनाम बढ़ाकर 50 हजार कर दिया था। दोनों की तलाश के लिए मेरठ पुलिस की टीमें लगातार राजस्थान, महाराष्ट्र और उत्तराखंड में दबिश दे रही थी। पुलिस इस हत्याकांड के दो आरोपी नजराना और तसलीम को पहले ही अरेस्ट कर चुकी थी।

किसान देवेन्दर ने एक एकड़ में 636 कुंतल गन्ना उपजा, कुशीनगर का बढ़ा मान

संवाददाता

कुशीनगर। राज्य गन्ना प्रतियोगिता 2024-25 के तहत हाटा विकास खण्ड के ग्राम लालीपार के किसान देवेन्दर बरनवाल के गन्ना फसल की क्राप कटिंग अधिकारियों ने की। उपज 636 कुन्तल एक एकड़ में मिला है। यह जानकारी उप्र गन्ना किसान संस्थान प्रशिक्षण केन्द्र पिपराइच गोरखपुर के पूर्व सहायक निदेशक ओम प्रकाश गुप्ता ने देते हुए बताया कि प्रदेश में गन्ने का औसत उपज 841 कुन्तल प्रति हेक्टेयर है। सर्वाधिक उपज शामली जिले का 1035 कुन्तल प्रति हेक्टेयर है। कुशीनगर के लालीपार के किसान देवेन्दर बरनवाल ने 1590 कुन्तल प्रति हेक्टेयर, एक एकड में 636 कुन्तल उपज प्राप्त कर यह सिद्ध कर दिया कि कुशीनगर की माटी गन्ने की खेती के लिए सर्वोत्तम है।

पूर्व सहायक निदेशक श्री गुप्ता ने देश के गन्ना उत्पादक राज्यों का कृषक अध्ययन यात्रा कार्यक्रम में अध्ययन व शोध संस्थानों पर प्रशिक्षण लिया है। ओम प्रकाश गुप्ता ने 636 कुन्तल एकड़ उपज प्राप्त करने वाले किसान देवेन्दर बरनवाल तथा उनके पुत्र राजभवन बरनवाल जो विज्ञान विषय में स्नातक है से इतना

अधिक उपज लेने का तरीका, उपाय, विषय पर बातचीत की। किसान पिता - पुत्र ने बताया कि अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में गन्ना प्रजाति को० 118 की बुवाई की गई। गन्ने की लाईन से लाईन की दूरी 4 फुट, गहरी जुताई, अंतिम जुताई के समय तीन ट्राली गोबर की सड़ी खाद डाला, बुवाई के दिन नाली में 50 कि ग्राम ग्रोमर प्लस, 50 किग्रा. पोटाश दिया, बीज गन्ना का शोधन किया, दो लाईन के बीच नवम्बर में सरसो बोया मौसम ठीक न होने के कारण सरसो मात्र दो कुन्तल हुआ। छोटे ट्रेक्टर से गुड़ाई किया, जून तक दो बार यूरिया सिंचाई के बाद दिया, मिट्टि चढ़ाया, दो बार बंधाई किया, गन्ना किसान संस्थान प्रशिक्षण केन्द्र पिपराइच गोरखपुर द्वारा किसान गोष्ठी हाटा में भाग लिया था। वहां पर सुना था कि एक एकड़ में 400 से 500 कुन्तल उपज प्राप्त होगा, हमने प्रयास किया, उसका परिणाम मिला 636 कुन्तल उपज मिला। वैज्ञानिक ढंग से खेती करें, अधिक उपज देने वाली गन्ना प्रजाति समय से अक्टूबर मे 4 फुट पर नाली बनाकर बोये, गोबर की खाद जरूर दें, खेत को प्रति दिन देखे, ज्ञान की जरूरत है तभी उपज बढ़ेगा, किसान खुशहाल होगे। ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक हाटा अशोक वर्मा व गन्ना प्रबंधक देवेश गिल ने ओम प्रकाश गुप्ता को बताया, गन्ना गिरा नही होता तो 700 कुन्तल एकड़ उपज मिला होता। न्यू इण्डिया सुगर मिल दाढ़ा के अधिशासी निदेशक करन सिंह ने बताया कि देवेन्दर बरनवाल को सम्मानित करेगी चीनी मिल। अवधेश गुप्ता प्रधान प्रबंधक गन्ना डीडी सिंह सहायक महाप्रबंधक गन्ना व गन्ना समिति हाटा के चेयरमैन बन्टी सिंह, उप गन्ना आयुक्त देवरिया परिक्षेत्र एपी सिंह ने अधिक उपज लेने लेने पर बधाई दी।

संक्षिप्त डायरी

'खुद को भाजपा नेता समझती है: घर में घुसकर गोली मारूंगा', फरहत नकवी को युवक ने दी धमकी

बरेली । तलाक पीड़िताओं की लड़ाई लड़ने वाली मेरा हक फाउंडेशन की अध्यक्ष फरहत नकवी को घर में घुसकर गोली मारने की धमकी दी गई। फरहत की शिकायत पर धमकी देने वाले व्यापारी के खिलाफ किला थाने में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज आदि खंगाल रही है। आगा गेट मढ़ैया निवासी फरहत नकवी के मुताबिक किला क्षेत्र में कपड़े की दुकान लगाने वाला राशिद तीन दिन पहले उनकी गली में आया और पड़ोसी लड़कों से उनके बारे में जानकारी की। वह कहने लगा कि फरहत खुद को भाजपा नेता समझती है। वह इस्लाम से खारिज महिला है, इसलिए उसको घर में घुसकर गोली मारूंगा। राशिद ने लड़कों से कहा कि वह पहले भी जेल काट चुका है। उस पर पहले से चार मुकदमे चल रहे हैं। एकाध और मुकदमे से उस पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। फरहत ने पुलिस को बताया कि कुछ दिन पहले राशिद के बेटे ने उनकी गली में आकर लड़कों से मारपीट कर दी थी। तब उन्होंने उसे डांट दिया था। इसी वजह से राशिद बदला लेने के उद्देश्य से आया था। गनीमत रही कि उस वक्त वह घर के अंदर थीं और परिजनों ने उन्हें बाहर नहीं निकलने दिया, वरना बड़ी घटना हो सकती थी। किला थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है। फरहत ने पुलिस को बताया कि उनके साथ पहले भी इस तरह की घटनाएं हो चुकी हैं। वह घर में अकेली रहती हैं। इन दिनों उनकी गली में अनजान लोगों की आवाजाही बढ़ गई है। एक युवक उनके घर की वीडियोग्राफी कर रहा था। इसलिए उन्हें डर सता रहा है कि उनके और उनकी बेटी के साथ अनहोनी हो सकती है।

नौ माह के बच्चे को मां ने छत से नीचे फेंका, मौत

बलिया। कलयुगी मां ने नौ माह के बच्चे को छत से फेंक कर हत्या कर दी। आरोप है कि बड़ी बहन को फंसाने के लिए दुधमुंहे बच्चे को छत से फेंक दिया। नानी शोभा देवी ने बेटी पर नाती की हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने मां को हिरासत में लेकर शव को पोस्टमार्टम को भेज दिया है। सदर कोतवाली के कृष्णा नगर मोहल्ले में अंजू देवी (35) पत्नी गोलू गोड़ अपने मायका कृष्णा नगर में रहती है। उसकी बड़ी बहन मनीषा देवी पत्नी सुरेश गोंड भी रहती है। दोनों बहनों में अक्सर विवाद होता है। आरोप है कि शनिवार की सुबह बहन से विवाद में अंजू ने अपने नौ माह के नवजात बच्चे को छत से फेंक दिया और बहन पर हत्या का आरोप लगाते हुए चिल्लाने लगी। घटना के समय पति गैस सिलेंडर बांटने गडवार गया हुआ था। अंजू की मां शोभा देवी ने पुलिस को फोन कर बेटी पर नौ माह के नाती की हत्या का आरोप लगाया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी मां को हिरासत में ले लिया और बच्चे को पोस्टमार्टम को भेज दिया। शोभा देवी ने तहरीर में कहा कि तीन माह पूर्व इस बच्चे के जुड़वा भाई की भी हत्या कर चुकी है। कोतवाल योगेन्द्र बहादुर सिंह ने कहा की मां को हिरासत में लिया गया है। शव को पोस्टमार्टम को भेजा गया है, रिपोर्ट आते ही आगे की करवाई की जाएगी। हत्यारिन मां को फांसी की सजा की मांग को लेकर कोतवाली पहुंची मोहल्लेवासी शहर के कृष्णा नगर मोहल्ले में दूध मोह बच्चेकी हत्या की खबर लगते ही मोहल्ले मेंखलबली मच गई।घटना से आक्रोशित दर्जनों महिलाएं कोतवाली पहुंचे हत्यारिन मां को फांसी की सजा की मांग की। महिलाओं ने कहा कि यह मां के नाम पर कलंक है। पूर्व में इस बच्चे के जुड़वा भाई की हत्या कर चुकी है।

मौनी अमावस्या को लेकर रोडवेज की खास तैयारी, महाकुंभ भेजी गई सभी बसें

मैनपुरी । बेवर में कुंभ मेला प्रयागराज के लिए बेवर डिपो की सभी बसों की मांग की गई है। कुल 46 बसों में एक दर्जन बसें रवाना भी हो चुकी हैं। बसों में जाने वाले कर्मचारियों को तैयार रहने का आदेश जारी किया गया है। सभी बसों के कुंभ मेला क्षेत्र में जाने से अन्य मार्गों पर जाने वाली सवारियों की किल्लत बढ़ने वाली है। कस्बे के रोडवेज डिपो में तैनात स्टेशन प्रभारी नीलम शर्मा ने बताया। 29 जनवरी मौनी अमावस्या के पूर्व कुंभ मेला प्रयागराज में सवारियों को ले जाने के लिए सभी 46 बसों को भेजने का आदेश आ चुका है। अभी तक एक दर्जन के करीब बसों को भेजा जा चुका है। बेवर डिपो के एआरएम सुभाष चंद्र की मेला क्षेत्र में बनाए गए अस्थाई डिपो में तैनाती कर दी गई है। बसों में जाने वाले स्टाफ को तैयार रहने का निर्देश अधिकारियों के द्वारा दिया जा चुका है। वहीं सबसे बड़ी चिंता का विषय यह है कि प्रतिदिन दर्जनों बसें क्षेत्रीय सवारियों को दिल्ली और आगरा पहुंचाती हैं। उन सवारियों की समस्या का निराकरण कैसे होगा। उनके सामने समस्या खड़ी हो सकती है।

एमबीबीएस की 26 वर्षीय छात्रा स्नेहा की मौत, दो महीने बाद मिलनी थी डिग्री

मथुरा । हाईवे थाना क्षेत्र के नटवर नगर की रहने वाली स्नेहा पाठक की शुक्रवार को कानपुर स्थित एक मेडिकल कॉलेज में हार्ट अटैक से मौत हो गई। स्नेहा के दादा सीपी पाठक ने बताया कि 15 दिन पहले वह बीमार हो गए थे। इसकी जानकारी जैसे ही स्नेहा को लगी तो वह कानपुर से घर आई। उनकी तबीयत ठीक होने के बाद ही वह यहां से चली गई थीं। सीपी पाठक ने बताया कि स्नेहा के पिता जयप्रकाश पाठक के दो पुत्रियां हैं। पहली स्नेहा जो कि कानपुर में मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी कर रहीं थीं। छोटी बेटी शालू बीकॉम की पढ़ाई कर रही हैं। जयप्रकाश का मांट-राया रोड पर विद्या सागर एकेडमी नाम से स्कूल है जबकि जय प्रकाश के छोटे भाई विकास पाठक सुप्रीम कोर्ट में अधिवक्ता हैं। उन्होंने बताया कि फोन आया था कि स्नेहा की तबीयत खराब है। जानकारी होते ही जय प्रकाश और शालू कानपुर के लिए रवाना हो गए। उनकी जयप्रकाश से बात हुई है, उन्होंने बताया कि बेटी की तबीयत खराब है, लेकिन अभी उसकी स्थिति सही है और इमरजेंसी में भर्ती है। दादा ने बताया कि वह 2011 में विद्युत निगम से जूनियर इंजीनियर के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। मूलरूप से बाजना के रहने वाले हैं, जबकि पिछले 40 साल से नटवर नगर में मकान बनाकर रह रहे हैं। पड़ोसी ज्ञानी पंडित ने बताया कि स्नेहा काफी हेल्दी थीं। पढ़ने में काफी होशियार होने के कारण 26 साल की उम्र में चिकित्सक बन गई।

फोन पर पैसे मांगने व धमकी देने के 3 वर्ष से अधिक पुराने मामले में आरोपी गिरफ्तार

समाचार गेट/जितेन्द्र सिंह

फरीदाबाद। शहर में पुलिस प्रशासन द्वारा लगातार अपराधियों की धर पकड की जा रही है। पुलिस उपायुक्त एनआईटी कुलदीप सिंह के द्वारा दिए गए दिशा-निर्देश के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए थाना डबुआ एसएचओ मंजीत सिंह द्वारा गठित टीम ने आरोपी निहाल अहमद को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के लिए बता दें कि अगस्त 2020 में कुशल वासी मकान नं. ई-1500, सैनिक कॉलोनी सेक्टर-49, फरीदाबाद ने पुलिस चौकी सैनिक कॉलोनी में अपनी दी शिकायत में बतलाया कि उसका तलाक का मामला दिल्ली कोर्ट में चल रहा है और अगस्त 2020 में शिकायतकर्ता को उसके ससुर विशाल का फोन आया और 20 लाख रूपये की डिमांड की और ना देने की सूरत में जान से मारने की धमकी दी। जिस पर थाना डबुआ में अभियोग अंकित किया गया।

अनुसंधान के दौरान पाया गया कि फोन पर धमकी देने की रिकॉर्डिंग मे आवाज विकास की नहीं थी, यह आवाज आरोपी निहाल अहमद की होने पर आवाज के नमुनों जांच के लिए स्वरू मधुबन भेजे गये, जांच मे निहाल अहमद की आवाज की पुष्टि हुई, जिस पर जिस पर कार्रवाही करते हुए थाना डबुआ की टीम ने आरोपी निहाल अहमद वासी आराम पार्क, खुरेजी खास, दिल्ली को आराम पार्क, दिल्ली से गिरफ्तार किया गया।

पुछताछ पर आरोपी ने बतलाया कि वह शिकायतकर्ता के ससुर विशाल का दोस्त है और उनकी व विशाल की किसी बात को लेकर अनबन हो गई थी, उसको पता था के विशाल की बेटी का केस कोर्ट में चल रहा है। उसने विशाल को फसवाने के लिए उसके दामाद शिकायतकर्ता कुशल के पास फोन कर पैसे मांगे और जान से मारने की धमकी दी। आरोपी को पूछताछ के बाद अदालत में पेश कर जेल भेजा गया।

नूंह पुलिस की अपराध जाँच शाखा नूंह टीम ने 2 अवैध हथियारों के सप्लायरों को 7 अवैध देशी पिस्टल, 6 अवैध देशी कट्टे व 13 मैगजीन सहित दबोचा

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। सीआईए नूंह को बड़ी सफलता हाथ लगी है। सीआईए नूंह पुलिस प्रभारी निरीक्षक जंगशेर के नेतृत्व में गठित टीम ने अवैध हथियारों को बेचने का काम करने वाले 2 आरोपियों को अवैध हथियारों सहित दबोचने में सफलता हासिल की है। पकड़े गए आरोपियों से पुलिस ने 7 अवैध देशी पिस्टल, 6 अवैध देशी कट्टे व 13 मैगजीन बरामद की हैं। हथियारों के सप्लायरों को सीआईए नूंह पुलिस कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लेने की तैयारी कर रही है ताकि इस पूरे नेटवर्क का खुलासा हो सके। हरिन्दर कुमार उप-पुलिस अधीक्षक मुख्यालय नूंह ने प्रैस वार्ताकर बतलाया कि निरीक्षक जंगशेर प्रभारी सीआईए नूंह के नेतृत्व में गठित टीम को शुक्रवार को गुप्त सूचना मिली कि सलीम पुत्र रजाक निवासी साली जिला जयपुर व अकिल हुसैन पुत्र नबी मंसूरी निवासी साखून जिला जयपुर राजस्थान अवैध हथियारों की सप्लाई करते हैं और अवैध हथियार बेचने की फिराक में रावली बाँध के पास बने फार्म हाउस के अन्दर खंडहर कोठड़ा में किसी के इंतजार में बैठे हैं। पुलिस की टीम ने उक्त स्थान पर दबिश देकर उपरोक्त दोनों

शख्सों को 2 पीट्ठू बैग सहित काबू किया। नाम-पता पूछने पर एक शख्स ने अपना नाम सलीम उपरोक्त बतलाया। जिसके पीट्ठू बैग को चैक किया तो बैग के अन्दर पोलोथीन में 7 अवैध देशी पिस्तोल व 13 मैंगजीन बरामद हुई। वहीं दूसरे शख्स से नाम-पता पूछने पर शख्स ने अपना नाम अकिल हुसैन उपरोक्त बतलाया। जिसके पीट्ठू बैग को चैक किया तो बैग के अन्दर 6 अवैध देशी कट्टा बरामद हुये। जिनको सीआईए नूंह पुलिस की टीम ने अपने कब्जे में लिया। जिस संबन्ध में थाना फिरोजपुर झिरका में संबनधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज रजिस्टर करके दोनों आरोपियों को मुकदमा में नियमानुसार गिरफ्तार करके गहनता से पूछताछ की जा रही है।

सीआईए नूंह पुलिस टीम पकड़े गए आरोपियों से इस बात का भी पता लगाने में जुट गई है कि वह कहां-कहां इन अवैध हथियारों की सप्लाई करते हैं। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क को खंगालने की तैयारी में जुट गई है। अवैध हथियार सप्लायरों को अदालत में पेश कर रिमांड पर लेने की तैयारी चल रही है ताकि सप्लायरों के और अन्य ठिकानों तक पुलिस की जांच पहुंच सके और इस गिरोह में शामिल अन्य आरोपियों को भी दबोचा जा सके।

विजय प्रताप, पुलिस अधीक्षक नूंह ने सीआईए नूंह प्रभारी जंगशेर व उनकी टीम की इस हथियारों के जखीरे सहित आरोपियों को पकड़ने पर जमकर प्रशंसा की है। उन्होंने कहा है कि आरोपियों से गहनता से पूछताछ की जाएगी ताकि हथियारों की सप्लाई के इस पूरे नेटवर्क को खंगाला जा सके।

डीसी ने लिया राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों का जायजा

समाचार गेट/जितेन्द्र सिंह

फरीदाबाद। जिला में गणतंत्र दिवस पर रविवार को 76वें राज्य स्तरीय समारोह का भव्य आयोजन शहर के हैलीपेड ग्रांड सेक्टर 12 में किया जाएगा। राज्यस्तरीय समारोह में मुख्य अतिथि हरियाणा के राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय होंगे। समारोह की तैयारियों को लेकर शनिवार को डीसी विक्रम सिंह ने आयोजन स्थल का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को तैयारियों से संबंधित जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

डीसी विक्रम सिंह ने बताया कि हर साल की भांति इस साल भी जिला में गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन भव्य होगा। समारोह में शानदार झांकियों का प्रदर्शन किया जाएगा। राज्य स्तरीय समारोह में बतौर मुख्य अतिथि हरियाणा के राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय तिरंगा फहराएंगे व परेड की सलामी लेंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि समारोह की सभी तैयारियां पूर्ण होना सुनिश्चित कर लें। इसके अलावा उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी पुलिस अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। वहीं उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि बल्लभगढ़ में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में पूर्व मंत्री एवं विधायक मूलचंद शर्मा व बडख़ल में विधायक धनेश अदलखा राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे। इस अवसर पर एडीसी साहिल गुप्ता, एसडीएम फरीदाबाद शिखा, नगराधीश अंकित कुमार सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी मौजूद रहे।

मोदी के नेतृत्व में देश संविधान की मूल भावना के अनुरूप विकास की ओर अग्रसरः राजकुमार वोहरा

समाचार गेट/जितेन्द्र सिंह

फ़रीदाबाद। संविधान गौरव अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा ने कहा, भारत रत्न बाबा साहेब द्वारा रचित भारत का संविधान सामाजिक न्याय, समानता और नागरिक अधिकारों की रक्षा करने का मूल आधार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संविधान की रक्षा के लिए कृत संकलपित हैं. उन्होंने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य वंचित वर्गों के अधिकार सुनिश्चित करने के लिए अनेक प्रयास किए हैं। शिक्षा और रोजगार में वंचित वर्गों की भागीदारी बढ़ाने के लिए मोदी सरकार ने कई ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। धारा 370 को खत्म कर जम्मू कश्मीर में एससी एसटी को उसका हक दिलाया। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अति पिछड़े वर्ग

को भी आरक्षण दिया और प्रदेश में सभी वर्ग के लोगों को सशक्त करने का कार्य कर रहे हैं। संविधान गौरव अभियान के तहत भीम भवन बाटा चौक एवं वाल्मीकि मंदिर कृष्ण कॉलोनी में कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा ने बाबा साहेब का जीवन दर्शन लोगों के सामने रखा। संविधान की प्रस्तावना पढ़ने के साथ संविधान की शपथ भी ली गई।

कांग्रेस ने नहीं दिया, बाबा साहेब को कभी कोई सम्मान : राजकुमार वोहरा

श्री वोहरा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस ने बाबा साहेब को कभी भी सम्मान नहीं दिया। कांग्रेस ने तो अंबेडकर साहब के दाह संस्कार के लिए दिल्ली में जगह नहीं दी। 1990 में भाजपा समर्थित सरकार ने बाबा साहेब को भारत रत्न दिया और मोदी ने सम्मान देते हुए बाबा साहब से संबंधित पाँच जगह को पंच तीर्थ के तौर पर विकसित किया। यह हमारा कर्तव्य है कि हम ना केवल संविधान को पढ़े बल्कि इसे समझें और अपनी आने वाली पीढ़ियों को भी इसके महत्व के बारे में बताएं। भाजपा का संविधान गौरव अभियान संविधान के मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

इन कार्यक्रमों में संविधान गौरव अभियान के जिला संयोजक आभास अग्रवाल, सह संयोजक अरुणिमा सिंह, लक्ष्मण तंवर, जगदीश कुमार विस्तारक पूर्व जिला महामंत्री अनुसूचित जाति मोर्चा फरीदाबाद, सरवन कुमार पूर्व मंडल महामंत्री, जानकी प्रसाद पूर्व मंडल अध्यक्ष एससी मोर्चा, देवेंद्र कुमार जिला सह संयोजक कला और संस्कृति प्रकोष्ठ, सागर भाई ,विजय सिंह, लेखराज सिंह, लाखन सिंह, सतीश कुमार जी, दलबीर सिंह, खेमचंद, शेखर आदि उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस पर अटल पार्क में होगा रंगारंग कार्यक्रम

कोई भी व्यक्ति इस कार्यक्रम में भाग ले सकता है : विनोद कुमार

समाचार गेट/ब्यूरो

करनाल। चाहत कराओके अकादमी द्वारा गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में सेक्टर 8 अटल पार्क में झंडा फहराया जाएगा और इसके साथ ही रंगारंग कार्यक्रम किया जाएगा जिसमें देशभक्ति गीत और हरियाणवी गीतों के साथ यह समारोह धूमधाम से मनाया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में एसपी चौहान उपस्थित रहेंगे जबकि कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पीके केमिकल के प्रबंध निदेशक अजय कुमार, सेक्टर 8 के पार्षद मुकेश अरोड़ा होंगे। दूसरी और विशेष अतिथि के रूप में राजेश सिंगला, हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी डॉ. अशोक कुमार वर्मा, सेवानिवृत पुलिस अधिकारी राम भजन वर्मा समाजसेवी, सेवी चौधरी होंगे। कार्यक्रम के मुख्य संयोजक विनोद कुमार वर्मा ने कहा कि यह कार्यक्रम लोगों के लिए एक ऐसे वातावरण का निर्माण करना है जिसमें वे तनाव मुक्त जीवन का आनंद ले सकें।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी संविधान की मूल भावना के अनुसार कर रहे हैं जन जन को सशक्त : विपुल गोयल

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। संविधान गौरव अभियान के तहत आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन करने के बाद हरियाणा के राजस्व एवं शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि भारत रत्न बाबा साहेब द्वारा रचित भारत के संविधान ने भारत को एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, और लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में स्थापित किया। मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा की केंद्र और प्रदेश सरकार संविधान की रक्षा के लिए कृत संकलपित हैं. उन्होंने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य वंचित वर्गों के अधिकार सुनिश्चित करने के लिए अनेक प्रयास किए हैं। शिक्षा और रोजगार में वंचित वर्गों की भागीदारी बढ़ाने के लिए मोदी सरकार ने कई ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी अन्त्योदय की मूल भावना के साथ

जन जन को सशक्त कर रहे हैं। उन्होंने अति पिछड़े वर्ग को भी आरक्षण देने का कार्य किया है और जनहितकारी योजनाओं के माध्यम से प्रदेश में सभी वर्ग के लोगों को सशक्त करने के की दिशा में बड़े फैंसले लिए हैं। भारत का संविधान सामाजिक न्याय, समानता और नागरिक अधिकारों की रक्षा करने का मूल आधार है।

इस कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा, जिला महामंत्री मनोज वशिष्ठ, सुरेन्द्र जांगड़ा, वजीर सिंह डागर,पंकज रामपाल,सुखवीर मलेरना,पंकज सिवाल,लाल जी मिश्रा, प्रवीण गर्ग,लाजार रंजीत सेन, संविधान गौरव यात्रा अभियान के जिला संयोजक आभाष अग्रवाल, सह संयोजक लक्ष्मण तंवर,अरुणिमा सिंह, जिला मिडिया सह प्रमुख राज, चेयरमैन हुकम सिंह भाटी, जिला पदाधिकारी, मोर्चों के जिला अध्यक्ष, पदाधिकारी एवं मंडल अध्यक्ष उपस्थित रहे।

रात 11:59 बजे तक मानव रहित हवाई वाहन (ड्रोन) उड़ाने पर रहेगी रोक : डीसी

समाचार गेट/जितेन्द्र सिंह

फरीदाबाद। जिलाधीश विक्रम सिंह ने जि़ला फरीदाबाद में शनिवार को आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह के मद्देनजर जिला में 26 जनवरी रात 11:59 बजे तक मानव रहित हवाई वाहनों (यूएवी) जैसे ड्रोन और कम उड़ान वाली वस्तुओं आदि के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने के आदेश जारी किए हैं। उन्होंने यह आदेश जिला में कानून व्यवस्था बनाए रखने के साथ ही अवांछनीय गतिविधियों पर रोक लगाने के उद्देश्य से सुरक्षा कारणों के तहत जारी किए है। जिलाधीश ने भारतीय नागरिक सुरक्षा सँहिता 2023 की धारा 163 के तहत निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए मानव रहित हवाई वाहनों जैसे ड्रोन और कम उड़ान वाली वस्तुओं आदि के उपयोग पर प्रतिबंध लगाया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह आदेश उन पुलिस कर्मचारी या सीआईडी विभाग के कर्मचारी पर लागू नहीं होंगे जो लॉ एंड ऑर्डर व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए मानव रहित हवाई वाहनों का उपयोग करने के लिए अधिकृत किए गए हैं। इस आदेश के उल्लंघन होने पर संबंधित दोषी के खिलाफ भारतीय न्याय सँहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 223 और लागू प्रासंगिक अधिनियमों/नियमों के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने स्वच्छता नायकों के साथ मनाया जन्मदिन

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने अपना जन्मदिन आज मुख्यमंत्री आवास संत कबीर कुटीर में स्वच्छता नायकों के साथ बड़ी सादगी से मनाया। इस अवसर पर स्वच्छता नायकों ने मुख्यमंत्री को स्मृति चिन्ह भेंट कर उन्हें बधाई व शुभकामनाएं देते हुए उनकी दीर्घायु की कामना की। मुख्यमंत्री ने उन्हें सम्मानित किया और उनके साथ नाश्ता भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे सफाई कर्मचारी स्वच्छता के प्रहरी हैं और उनके सहयोग के बिना प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छ भारत मिशन का लक्ष्य साकार नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि स्वच्छता नायक ही सही मायनों में कड़ी मेहनत

कर लोगों को स्वच्छता का संदेश देते हैं। हरियाणा सरकार ने भी स्वच्छता नायकों के हितों के लिए हरियाणा राज्य सफाई कर्मचारी आयोग का गठन किया है, जो समय-समय पर कर्मचारियों के हितों व उनके बच्चों के कल्याणकारी निर्णयों के बारे सरकार के संज्ञान में लाते हैं। इसके उपरांत मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी चंडीगढ़ के सैक्टर-31 स्थित राजकीय बौद्धिक विकलांग पुनर्वास संस्थान (GRIID) पहुंचे और संस्थान के बच्चों के साथ अपना जन्मदिन मनाया। मुख्यमंत्री ने संस्थान के बच्चों द्वारा किये जा रहे कार्यों का अवलोकन भी किया और उनके कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बच्चों को उपहार भी वितरित किए।

संपादकीय

जनतंत्र जनसेवा की आदर्श व्यवस्था है

वर्तमान लोकतांत्रिक व्यवस्था के संदर्भ में अमेरिकन राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन को उद्धृत करते हुए कहा जाता है कि 'जनतंत्र जनता के लिए, जनता द्वारा, जनता का शासन है।' सिद्धान्ततः यह कथन आंशिक रूप से सत्य भी है क्योंकि इसमें जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधि जनता के लिए कल्याणकारी योजनाएं क्रियान्वित करते हैं। इस दृष्टि से समस्त शासन व्यवस्थाओं में यह व्यवस्था सर्वोत्तम भी है और इसीलिए स्वतंत्रता प्राप्ति के समय हमने इस व्यवस्था को चुना, किन्तु आज हमारे लोकतन्त्र में बढ़ती अविवेकपूर्ण एवं अनुत्तरदायित्व भरी कार्यशैली, जनमन में बढ़ता असंतोष जनित आक्रोश और यत्र-तत्र घटित अराजकतायुक्त दुर्घटनाएं विश्व के इस विशालतम लोकतन्त्र के समक्ष अनेक यक्षप्रश्न उपस्थित कर रही हैं। भारतीय गणतंत्र की इस 76 वें वर्षगाँठ पर इस संदर्भ में गंभीर और विस्तृत विमर्श अपेक्षित है।

नरवीर यादव
कार्यकारी संपादक

सैद्धान्तिक रूप से जनतन्त्र में व्याख्यायित 'जनता' एक इकाई है। जनतन्त्र की उपर्युक्त लिंकन कृत परिभाषा से ध्वनित होता है कि एक इकाई के रूप में संगठित जनता सम्पूर्ण समाज में से सर्वसम्मति से सुयोग्य नेतृत्व का चयन कर जनकल्याण का पथ प्रशस्त करती है, किन्तु व्यावहारिक रूप से जनतन्त्र में प्रयुक्त जनता एक इकाई नहीं होती। वह अनेक विचारधाराओं, दलों और धर्म-क्षेत्र- जाति-भाषा- व्यवसाय आदि की संकीर्णताओं में बँधे छोटे-छोटे समूहों का समुच्चय होती है, जो मनुष्यता और राष्ट्रीयता की उदार एवं समावेशी हितग्राहिता को हाशिए पर डालकर सत्ता हथियाने की दलीय प्रतिबद्धता के प्रति दुराग्रह प्रकट करती है। निजी निहित स्वार्थों के लिए सचेष्ट ये संकीर्ण समूह परस्पर कीचड़ उछालते हुए सत्ता के गलियारों में आधिपत्य के लिए निरन्तर संघर्ष करते हैं। इसलिए जनतंत्र में शासन 'जनता द्वारा जनता के लिए' न रहकर 'दल द्वारा दल के लिए' हो जाता है और इसी कारण जनता में असन्तोष और आक्रोश जन्म लेता है। जनतंत्र की उदार दृष्टि दलीय महत्वाकांक्षाओं की दलदल में धँसकर जनकल्याण से दूर चली जाती है। सत्ताधारी दल जनकल्याण के नाम पर प्रचारित योजनाओं के माध्यम से अपनी भावी चुनावी विजय की रूपरेखा रचता है; वोट-बैंक तैयार करता है और राष्ट्रीय-हितों के नाम पर दलीय-हितों के साधन में अपनी ऊर्जा नियोजित करता है। विपक्षीदल भी उचित-अनुचित का विचार किए बिना सत्ता हथियाने के लिए हर संभव कूट रचना रचते रहते हैं। भारतीय जनतंत्र की लगभग सात दशक लम्बी यात्रा इस बिडम्बना की साक्षी है। गत शताब्दी के आठवें दशक में घटित जनता पार्टी का उद्भव और पराभव इस तथ्य का ज्वलन्त प्रमाण है। मनुष्य की प्रकृति सामन्तवादी है। वह शासन करना चाहता है। औरों को अपने अधीन अपने नियन्त्रण में रखना चाहता है। परिवार का मुखिया, संस्था का प्रमुख, संगठन का नेता- सब वर्चस्व चाहते हैं और इस वर्चस्व कामना में निहित 'राजस' भाव स्वयं के लिए एवं अपने जाति-वर्ग के लिए सुख-सुविधाएँ जुटाने का उद्यम करता है। राजतंत्र में राजा लोग अपने लिए, अपने राजपरिवार के लिए, अपने पक्ष के सामन्तों-सरदारों आदि के लिए सुख- सुविधाएं जुटाते थे और जनता के हितों की उपेक्षा करते थे, वर्तमान जनतंत्र में भी यही दुष्प्रवृत्ति दूर-दूर तक दिखाई देती है। भाई-भतीजावाद, वंशवाद, वोट बैंक सुदृढ़ करने की मानसिकता, जनता की गाढ़ी कमाई पर ऐश करने की ऐसी ही दुरभिलाषाओं के कारण आज हमारा जनतंत्र अपना वास्तविक अर्थ खोकर असंतोष और अराजकता की ओर अग्रसर हो रहा है।

वोट देने का अधिकार लोकतंत्र की नींव: डॉक्टर वसीम अकरम

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर नूंह में जिला स्तरीय कार्यक्रम में जिला उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा आईएएस सहित अशोक कुमार सिटी मजिस्ट्रेट द्वारा मेवात इंजीनियरिंग कॉलेज नूंह के सहायक प्रोफेसर डॉक्टर वसीम अकरम को चुनावों के सुचारू संचालन और मतदाताओं में जागरूकता को बढ़ावा देने और अखंडता बनाए रखने के लिए अनुकरणीय समर्पण और प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करने के लिए सम्मानित किया गया। डॉक्टर वसीम अकरम ने जिला उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा आईएएस, अशोक कुमार सिटी मजिस्ट्रेट आदि का शुक्रिया करते हुए कहा कि जिला प्रशासन के प्रयास इस दिशा में काफी सार्थक रहे हैं, वोटरों को जागरूक करने से लेकर चुनाव संपन्न करने में प्रशासन के साथ कार्य करना सुखद अनुभव रहा है, जहां जब जरूरत हुई तो जिला उपायुक्त, सिटी मजिस्ट्रेट, चुनाव अधिकारी सभी का सहयोग भी मिला।

डॉक्टर वसीम अकरम ने कहा कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस का उद्देश्य चुनावों में नागरिकों की भागीदारी बढ़ाना और लोकतंत्र को मजबूत करना है, नए मतदाताओं को मतदान के अधिकार और कर्तव्यों के प्रति जागरूक करने के लिए ये महत्वपूर्ण है। जिला प्रशासन के ऐसे आयोजन लोकतंत्र की मजबूती और नागरिकों की चुनावी प्रक्रिया में भागीदारी को बढ़ाने में सफल होंगे। लोगों को याद रखना चाहिए कि वोट देना उनका अधिकार और कर्तव्य है। क्यूँकि चुनाव में भागीदारी से लोकतंत्र मजबूत होता है और बेहतर सरकार बनती है, साथ ही यह दिवस मतदाता सूची में नाम जोड़ने के प्रति जागरूकता भी फैलाता है।

प्रोफेसर वसीम अकरम ने कहा कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस की शुरुआत 25 जनवरी 2011 को हुई थी, भारत सरकार ने इसे चुनाव आयोग के गठन की 61वीं वर्षगांठ के मौके पर मनाने का निर्णय लिया था। इस दिन का उद्देश्य अधिक से अधिक नागरिकों को चुनाव प्रक्रिया के प्रति जागरूक करना था। उन्होंने खास तौर पर युवाओं को मतदाता के रूप में रजिस्ट्रेशन के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि युवा मतदाता बनने के लिए रजिस्ट्रेशन करें,हर वोट मायने रखता है और अपनी ही लोकतंत्र में दर्शक ना बनें बल्कि अपने वोट का अधिकार इस्तेमाल करें। प्रोफेसर वसीम अकरम ने कहा कि या तो तालीम लोगों के हालात बदल सकती है या फिर उनका वोट, तालीम उन्हें बेहतर रोजगार के अवसर देगी तो उनकी वोट का सही इस्तेमाल उन्हें रोजगार पैदा करने वाले देंगें।

प्रत्येक मतदाता मजबूत लोकतंत्र का आधार : जिला निर्वाचन अधिकारी

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर जिला स्तरीय कार्यक्रम का हुआ आयोजन

नए मतदाताओं को मतदाता पहचान पत्र किए वितरित

मतदाताओं को दिलाई शपथ

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर लघु सचिवालय के सभागार में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए और उन्होंने जिला के नए मतदाताओं को मतदाता पहचान पत्र वितरित किए तथा लोकतंत्र में मतदान व मतदाताओं की भूमिका के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उपायुक्त ने कहा कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस हर नागरिक को उसके मताधिकार के महत्व का एहसास दिलाने और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करने का एक उत्कृष्ट अवसर है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि प्रत्येक मतदाता का वोट लोकतंत्र को मजबूत करने का आधार है। संविधान ने प्रत्येक नागरिक को वोट देने का अधिकार देकर समानता और स्वतंत्रता का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। हमारा वोट न केवल हमारी आवाज है, बल्कि हमारे देश के भविष्य को आकार देने का साधन भी है। हर नागरिक को चाहिए कि वह अपने इस अधिकार का उपयोग जिम्मेदारी से करे और समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाए। उपायुक्त ने इस अवसर पर जिलावासियों से अपील की कि वे अपनी लोकतांत्रिक जिम्मेदारी को समझें और मतदान के प्रति जागरूक बनें। इस अवसर पर उन्होंने सभी को मतदाता शपथ दिलाई कि वे अपने वोट का उपयोग अवश्य करें तथा साथ ही दूसरे लोगों को भी इसके लिए प्रोत्साहित करें।

उपायुक्त ने युवाओं को मतदान के प्रति किया प्रेरित

उपायुक्त ने विशेष रूप से पहली बार वोट डालने वाले युवाओं को बधाई देते हुए कहा कि उनकी भागीदारी लोकतांत्रिक प्रक्रिया को और सशक्त बनाएगी। युवा पीढ़ी को यह समझने की जरूरत है कि उनके वोट से ही एक पारदर्शी और सशक्त सरकार का गठन संभव है। उन्हें वोट डालने के लिए न केवल खुद आगे आना चाहिए, बल्कि दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए।

सराहनीय कार्य करने वाले मतदाताओं, बीएलओ व अधिकारियों को किया सम्मानित

इस अवसर पर युवा मतदाताओं, सराहनीय कार्य करने वाले बीएलओ, लोकसभा व विधानसभा चुनाव में सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मतदान व मतदाता तथा चुनाव संबंधी गतिविधियां जैसे निबंध प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता और स्लोगन लेखन सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं नगराधीश अशोक कुमार, आईटीआई के प्रिंसीपल सुधीर कुमार, एफएलएन कॉआर्डिनेटर कुसुम मलिक, नायब तहसीलदार राजेंद्र हुड्डा, चुनाव कानूनगो जयकिशन, जूनियर प्रोग्रामर कुलदीप सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव होंगी गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि : उपायुक्त

परेड ग्राउंड, पुलिस लाइन में भव्य रूप से मनाया जाएगा गणतंत्र दिवस समारोह

नूंह शहर से समारोह स्थल तक आने-जाने के लिए किया प्रशासन ने किया बसों का प्रबंध

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने बताया कि जिला नूंह में रविवार 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन धूमधाम से किया जाएगा। स्थानीय पुलिस लाइन के परेड ग्राउंड में आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस समारोह में प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव मुख्य अतिथि रहेंगी। गणतंत्र दिवस समारोह को भव्य रूप से मनाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा सभी प्रकार की तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। जिला प्रशासन की ओर से स्थानीय नागरिकों को गणतंत्र दिवस समारोह स्थल तक आने-जाने के लिए रोडवेज की बसों की व्यवस्था की हैं। इनमें से तीन बसें सुबह 9 बजे से स्थानीय अडबर चौक बाईपास व तीन बसें यासीन मेव डिग्री कॉलेज के सामने से लोगों के लिए उपलब्ध रहेंगी। इन बसों में बैठकर स्थानीयवासी गणतंत्र दिवस समारोह में पहुंच सकते हैं। समारोह की समाप्ति के बाद यह बसें दोपहर बाद पुलिस लाइन से अडबर चौक बाईपास व यासीन मेव में डिग्री कॉलेज तक पहुंचेगी। इसलिए जिला के लोग इन बसों के माध्यम से समारोह स्थल तक अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम का लुत्फ उठाएं।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने बताया कि सबसे पहले मुख्य अतिथि आरती सिंह राव शहीद स्मारक पर माल्यार्पण कर शहीदों को याद करेंगी। इसके बाद पुलिस लाइन में आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस समारोह स्थल पर जाकर देश की आन, बान और शान का प्रतीक राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगी व जिलावासियों के नाम अपना शुभ संदेश देंगी। राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद मुख्य अतिथि भव्य मार्च पास्ट की सलामी लेंगी। मार्च पास्ट में

हरियाणा पुलिस पुरुष तथा महिला पुलिस बल, होम गार्ड, स्कूली बच्चों की एनसीसी विंग की टुकड़ियां भाग लेंगी। इसके बाद स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मानित किया जाएगा। गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान विभिन्न स्कूलों के बच्चों द्वारा देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएंगी, जिसमें पीटी शो, डंबल व लेजियम व सामूहिक नृत्य की प्रस्तुतियां शामिल होंगी। उन्होंने बताया कि पी.टी. प्रदर्शन व डंबल-लेजियम में विभिन्न स्कूलों के करीब 1700 बच्चे भाग लेंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियों में हिन्दू विद्या निकेतन स्कूल के बच्चे सूर्य नमस्कार, राजकीय कन्या वरि. मा. विद्यालय उजीना के बच्चे धूम मची हरियाणा की..गीत पर समूह नृत्य, कंट्री ग्रामर स्कूल के बच्चे जय जय हरियाणा..गीत पर हरियाणवी समूह नृत्य, डीएवी पब्लिक स्कूल के बच्चे योगा के साथ समूह नृत्य, जवाहर नवोदय विद्यालय, बाई के बच्चे गरबा, पीएमश्री राजकीय वरि. माध्यमिक विद्यालय पुन्हाना के बच्चे कव्वाली, राजकीय कन्या वरि. माध्यमिक स्कूल के बच्चे विजय भवः गीत पर नृत्य, हिन्दू विद्या निकेतन स्कूल के बच्चे शिव प्रस्तुति, राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल नूंह के बच्चे पधारो म्हारे देश.. गीत पर राजस्थानी नृत्य तथा मदर प्राइड स्कूल के बच्चे रामजी बता कब बरसैगा.. गीत पर नृत्य की प्रस्तुतियां देंगे। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि द्वारा जिला प्रशासन के उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा व विभिन्न स्कूलों के बच्चों द्वारा किए गए सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर आने वाले स्कूलों को सम्मानित किया जाएगा तथा परेड में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टुकड़ियों को भी सम्मानित किया जाएगा।

संविधान की बदौलत देश की लोकतांत्रिक प्रणाली है मजबूत : विश्राम कुमार मीणा

हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित

उपायुक्त ने सभी को संविधान प्रस्तावना की दिलाई शपथ

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार शनिवार को लघु सचिवालय के सभागार में हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित हुए। उपायुक्त ने इस अवसर पर कार्यक्रम में मौजूद स्कूली बच्चों, शिक्षकों व जिला प्रशासन के अधिकारियों व कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के संविधान की महत्ता को जन-जन तक पहुंचाने और नागरिकों को उनके अधिकारों व कर्तव्यों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से ही हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भारत के संविधान के प्रति गर्व और स्वाभिमान की भावना को प्रोत्साहित करना है। यह संविधान, जो हमारे लोकतंत्र का आधार है, न केवल हमारे अधिकारों की रक्षा करता है, बल्कि हमारे कर्तव्यों की ओर भी ध्यान आकर्षित करता है।

उपायुक्त ने सभी को संविधान की प्रस्तावना की शपथ दिलाते हुए कहा कि हमारा संविधान ही हमारा स्वाभिमान है। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने हर परिस्थिति में आगे बढ़ने का रास्ता दिखाने वाला संविधान दिया है। हमारा संविधान मात्र एक किताब का रूप नहीं है अपितु इसमें भारत की आत्मा बसती है। देश कैसे चलेगा और किस प्रकार से किस रास्ते पर चलेगा, यह संविधान में तय किया गया है। संविधान के द्वारा ही देश चलता है। इसके लिए हम अपने संविधान निर्माताओं का आभार प्रकट करते हैं। उन्होंने कहा कि संविधान की मजबूती के बल पर ही इतना बड़ा लोकतांत्रिक देश चल रहा है। संविधान लोकतंत्र का रक्षक है जो कि देश और समाज का मूलाधार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के कोने-कोने में संविधान को युवाओं तक पहुंचाने के लिए यह कार्यक्रम आयोजित करवाये जा रहे हैं, जोकि संविधान लागू होने के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में पूरे वर्ष आयोजित किए जाएंगे। देश की जनता खासकर युवाओं को संविधान की जानकारी जरूर होनी चाहिए। आने वाली पीढ़ी को संविधान की जानकारी देने के लिए यह अच्छा प्रयास है। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे संविधान को अपनाते हुए राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान दें।

इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं नगराधीश अशोक कुमार, जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी सुरेंद्र बजाड़ आईटीआई के प्रिंसीपल सुधीर कुमार, एफएलएन कॉआर्डिनेटर कुसुम मलिक, नायब तहसीलदार राजेंद्र हुड्डा, चुनाव कानूनगो जयकिशन, जूनियर प्रोग्रामर कुलदीप सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर जिले के 23 अधिकारी व कर्मचारियों हुए सम्मानित

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। जिले के विभिन्न विभागों में कार्यरत अधिकारियों व कर्मचारियों को उनकी सराहनीय खिदमात के लिए आज राष्ट्रीय मतदाता दिवस के मौके पर जिला प्रशासन की तरफ से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के संयोजक राजेंद्र हुड्डा ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला उपायुक्त कम जिला चुनाव अधिकारी विश्राम कुमार मीणा की अध्यक्षता में लघु सचिवालय नूह के मीटिंग हाल में आयोजित एक जिला स्तरीय कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विभागों में कार्यरत कुल 23 अधिकारियों व कर्मचारियों को एजाज देकर उनका हौसला बढ़ाया गया। कार्यक्रम में जिला उपायुक्त कम जिला चुनाव अधिकारी विश्राम कुमार मीणा आई ए एस ने मुख्यातिथि जबकि सी टी एम अशोक कुमार एच सी एच ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। स्टेज संचालन की जिम्मेदारी जिला कॉर्डिनेटर एफ एल एन कुसुम मलिक व संजय सिंह ने बखूबी अंदाज में निभाई। उन्होंने ने बताया कि गत विधानसभा चुनावों के सफल आयोजन में रात व दिन सेवाएं देकर अहम योगदान देने वाले जिले के 23 व्यक्तियों को इस मौके पर प्रशंसनीय पत्र देकर उनका हौसला अफजाई किया गया। सम्मानित होने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों में सुरेंद्र

बजाज डी आई पी आर ओ,कासिम खान जर्नलिस्ट, शौकीन कोटला जर्नलिस्ट, कुसुम मलिक एफएलएन कॉर्डिनेटर, सुधीर कुमार प्रधानाचार्य, इंद्रजीत ट्रांसपोर्ट इंस्पेक्टर, मुहम्मद आरिफ सीनियर मैनेजर, मुहम्मद शुऐब जूनियर मैनेजर, सत्यप्रकाश लेक्चरर, अनीस अहमद जेबीटी व खालिद मेवाती घासेड़ा डीईओ कम क्लर्क शिक्षा विभाग समेत इत्यादि के नाम शामिल हैं।

आश्वासन के बाद भी किसानों की समस्याओं का कोई समाधान नहीं हो रहा है

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। बीते 2 जनवरी को उपायुक्त के साथ किसानों की बैठक हुई। जिसमें उपायुक्त ने 20 जनवरी तक किसानों से कहा था कि वह सर्विस रोड, लिंक रोड व पानी की लाइन के कार्य को चलाने को कहा था। उपायुक्त के वादे को अब 25 दिन बीत गए है जिससे किसानों को सरकार व प्रशासन से विश्वास टूट रहा है। उक्त बातें शनिवार को नूंह जिला के रोजका मेव क्षेत्र के धीरधौका धरना स्थल पर किसानों ने एक पत्रकार वार्ता के दौरान कहीं। किसानों ने कहा कि उनके साथ सरकार वादाखिलाफी कर रही है। बीते दो जनवरी को नूंह उपायुक्त के साथ उनकी बैठक हुई थी जिसमें उन्होंने एचएसआइआइडीसी के अधिकारियों व मुख्यमंत्री के साथ उनकी बैठक कराने का आश्वासन

दिया था इसके बाद अभी कुछ नहीं हो रहा है। जिससे किसानों ने फैसला लिया है कि भारतीय किसान यूनियन के साथ जल्द ही एक बड़ी महापंचायत की जाएगी। जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी राकेश टिकैत, प्रदेश अध्यक्ष रवि आजाद सहित तमाम राष्ट्रीय व प्रदेश स्तर के किसान नेता भाग लेंगे। किसानों ने कहा कि आगामी 29 फरवरी में किसानों के धरना को लगातार एक साल होने जा रहा है। बीते 13 अगस्त से किसानों ने आईएमटी के कामकाज को बंद करवा दिया है। सरकार किसानों की एक नहीं सुन रही है दूसरी और यहां पर किसान, गर्मी, बरसात व अब सर्दी के मौसम में जमे हुए हैं। ऐसे में किसानों ने अब सरकार को आरपार की लड़ाई की चेतावनी दी। किसानों ने कहा कि अगर एक सप्ताह में सरकार ने किसानों के साथ कोई वार्ता नहीं की तो वह जल्द बड़ी पंचायत करेंगे। जिसमें अब पूरी तरह से पानी, लिंक रोड, आदि कार्य को बंद कर देंगे। उन्होंने कहा कि इसकी जिम्मेदार पूरी तरह से सरकार होगी। बता दें कि रोजका मेव आईएमटी के लिए वर्षों पूर्व क्षेत्र के नौ गांवों की 1600 एकड़ जमीन को अधिग्रहण किया गया था। इसके बाद से ही किसानों का यहां पर लंबा धरना चला। सरकार व प्रशासन के आश्वासन से किसान अब ऊब चुके हैं। सूत्रों के अनुसार जिस तरह से सरकार व किसान आमने सामने आ रहे हैं। इससे भविष्य में किसानों व सरकार के बीच बड़े टकराव से इंकार नहीं किया जा सकता। इस मौके पर मुख्य रूप से मोहम्मद एसपी सरपंच, हाजी सिराजुद्दीन, दीनू नंबरदार, जाहिद सरपंच, मुबारिक, उसमान, हाजी जस्सू, सुल्लू, शमशु, अब्बास, शरीफ, वली, तैय्यब, आशा व बशीर आदि मौजूद रहे।

'राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
समाचार गेट
को TITLE CODE : HARHIN11569
आवश्यकता है
♦ हरियाणा के प्रत्येक जिले में ब्यूरो चीफ
♦ उपमंडल व ब्लॉक स्तर पर संवाददाता
♦ ग्रामीण संवाददाता ♦ फोटोग्राफर
♦ विज्ञापन प्रतिनिधि
इच्छुक युवक-युवती अपना बायोडेटा मेल करें-
samachargate@gmail.com
Cont.: 9212339503

एकता का प्रतीक, हमारा सुदृढ़ गणतंत्र

हमें गर्व है कि विश्व का सबसे बड़ा संविधान हमारे देश का है। जो डॉ.भीमराव अम्बेडकर जी द्वारा रचित और हस्तलिखित पाण्डुलिपि में श्री प्रेम बिहारी रायजादा जी द्वारा निर्मित है। जो 2 वर्ष, 11 माह, 18 दिन में तैयार किया गया था। 26 जनवरी, 1950 को देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ.राजेन्द्र प्रसाद ने 21 तोपों की सलामी के साथ ध्वजारोहण कर, भारत को पूर्ण गणतंत्र घोषित किया था।

गणतंत्र दो शब्दों से मिलकर बनता है जो 'गण' अर्थात् जनता और 'तंत्र' अर्थात् शासन से है। गणतंत्र में जनता का ,जनता के लिए व जनता के द्वारा किया जाने वाला शासन होता है। हमारे देश में जनता के लिए बनाया गया संविधान लचीले संविधान की श्रेणी में भी आता है। जो समय-समय पर विशेष प्रक्रिया द्वारा जन हितार्थ में परिवर्तित किया जा सकता है। यह एक उत्तम संकेत है कि समय-समय पर देश, काल, परिस्थितियों के आधार पर लोकतंत्र की मूल भावना अक्षुण्ण रहे। वैसे भी राष्ट्र में नियम कायदे तो जनमानस के लिए ही होते हैं तो उनका सहर्ष पालन भी जनता द्वारा होने पर ही गणतंत्र सफल है।

हमें हमारे संविधान की वृहदता यह भी याद दिलाती है कि हमें अपने अधिकार व कानून दिलवाने में कई अमर शहीदों ने अनेकों संघर्ष किए हैं।

यहाँ मैं कहूँगी कि-

'आओं शत्-शत् वंदन करें शहीदों को,
जिन्होंने आज़ादी की मंजिल दिलवाई।
उन्होंने बहाया रक्त का कतरा-कतरा
तब हमने आज़ाद हवाओं में श्वासें पाई।'

इससे हम देशवासी संविधान के प्रति संकल्पित और प्रेरित होते है कि हमें इसके नियम कायदों का पालन करते हुए अपने देश को हर क्षेत्र में उन्नति, उत्कृष के नए शिखर पर ले जाना है तथा उसके प्रति सदैव समर्पित भाव रखते हुए निरंतर प्रगतिशील बनाना है।

हमारी भारतीय संस्कृति जो पहले से ही उत्कर्ष व वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना से ओतप्रोत रही है उसी को ध्यान में रखकर लिखा गया हमारा संविधान जिसमें उस समय 395 आर्टिकल, 8 अनुसूचियाँ थी। जो 22 भागों में चर्म पत्र पर लिखी गयी थी ताकि 1000 साल बाद भी वह अपना मूल स्वरूप ना खोए।

हमारा संविधान जनता के हित में तैयार किया गया तंत्र है। साथ ही हमारी भारतीय संस्कृति, मर्यादाएं जो अक्षुण्ण थी, है और रह सके इसलिए नीति सिद्धातों के आधार स्तम्भ पर इसे निर्मित किया गया है। हमारे यहाँ जाति, धर्म से उठकर सभी को बराबरी के मौलिक अधिकार प्रदान किए गए है।

हमारे देश में कानून के अंतर्गत कोई भी छोटा-बड़ा, अमीर-गरीब व ऊँच-नीच नहीं है बल्कि इन सबसे बढ़कर सभी समान अधिकारों से युक्त हो, समानता के अधिकारी है। हमारे देशवासियों को पूर्ण अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्राप्त है। विधि के अंतर्गत सभी अपनी गलतियों के लिए एक समान दण्ड के अधिकारी भी है। यहाँ बड़ी बात इसलिए भी है कि हमारे देश की संस्कृति में इतने बहुआयामी विविधता के रंगों का समावेश है।

जहाँ विश्व की द्वितीय सबसे अधिक जनशक्ति रहती है। जहाँ हर 5 कि.मी. पर भाषा, खानपान, नृत्य, संगीत, गायन, वादन, कलाएं व पहनावा बदल जाता है तो ऐसी बहुरंगता में इतनी कानून कायदों की समानता होना अपने आप में अद्वितीय ही है। इसका यहीं गुण तो हमारे महान संविधान के गुणगान गाने को स्वत: प्रेरित करता है। हमें चाहिए कि देश के निरंतर विकास के लिए हम और विशेषत: युवा पीढ़ी अग्रणी बने क्योंकि किसी भी देश की उन्नति का सबसे बड़ा कारक वहाँ के युवा ही होते है। हम इस बात में भी विश्व में सबसे अधिक भाग्यशाली है कि हमारे यहाँ युवा पीढ़ी की आबादी सबसे अधिक है और इसलिए भारत भी युवा है। हमारे देश से शिक्षित युवा ना केवल देश में अपितु पूरे विश्व में अपने ज्ञान से उन्नत सेवाएँ दे रहे है। हमारी आर्थिक उन्नति के लिए भी हमारा युवा वर्ग बहुत बड़ा कारण है।

इसके अलावा हमारे देश में प्रकृति ने जो अनमोल व उत्तम उपहार प्रदान किए है उससे भी हमारे देश की उन्नति हो रही है, हमारे यहाँ के हैरिटेज व्यापार विश्वव्यापी स्वरूप ले रहे है, हमारे देश का कृषि प्रधान होना भी हमारी समृद्धि को चार चाँद लगाता है।

हमारे यहाँ की संस्कृति की महानता पूरा विश्व मानता है। जो करोनाकाल में हमने प्रत्यक्ष रूप से देखी भी है। हम सदैव सभी धर्मो का आदर करते हुए, सकल मानवजाति को सम्यक रूप से देखते हैं।

कुछ विघ्नसंतोषी ताकतों के कारण हमारे देश की अखण्डता, खण्डित हुई और अनेक पड़ोसी देश जैसे- बांगलादेश, पाकिस्तान, अफगानिस्तान आदि बन गए। हमारा अखण्ड भारत खण्ड-खण्ड हुआ। जो हम भारतीयों के लिए शोकग्रस्त व घातक भी बना। हमारे यहाँ लगभग 60 सालों में देश में प्रजातंत्र होने के बाद भी राजतंत्र जैसी स्थितियाँ दर्शनीय रही।

फिर देश के महापुरुषों ने एक ऐसे संघ को स्थापित किया जिससे देश सही मायने में संगठित होने की दिशा में बढ़ा। यहाँ वास्तविक एकता की भावना पर जोर दिया गया। जो भारत अपनी धर्म, भाषा, संस्कृति के महत्व को भूल सुप्तावस्था में जा रहा था उसे जागृत करने में संघ ने महत्ती भूमिका का निर्वहन किया।

आज भारत की धर्म, संस्कृति का युवा पीढ़ी में पुन: उदय हो रहा है। जो नवचेतना से नवभारत का अप्रतीम उदाहरण बन रहा है। संघ के नियमों से जन-जन में देशभक्ति की भावना बढ़ रही है। संघ संविधान का आदर करते हुए गणतंत्र के सही मायने सिखा रहा है। उससे जनता संविधान में लिखित अपने अधिकारों के प्रति सजग हो रही है और वास्तविक लोकतंत्र के महत्व को जान रही है।

अब जो लहरे संघ विचारधारा के रूप में उठी है वह अपने क्रियाकलापों व देशसेवा भावना से अखण्ड भारत के सपने को साकार करने में लगी है। संघ द्वारा लोक संस्कृति को बलवती करने के लिए निरंतर प्रयास हो रहे है जिससे वह दिन भी दूर नहीं होगा जब हम पुन: विश्वगुरू बन विश्व का मार्ग दर्शन करेंगे।

अभी हमने चलना शुरू ही किया है तो देश प्रगति के मार्ग पर है। प्रतीक्षा है उस दिन की, कि जब हम दौड़े और विश्व आदर से हमारे पथ का अनुगमन करें।

अब अंत में इतना ही ....

'हम हमारे भारत वर्ष का सम्मान करते हैं,
सदा अपनी मातृभूमि का गुणगान करते हैं,
देवभूमि देश है जहाँ राम,कृष्ण जन्म लेते,
गर्व हमें, हम भू के स्वर्ग पर निवास करते है।'

भारतीय ध्वज संहिता से जानिए राष्ट्रीय ध्वज का महत्व और फहराने का तरीका

चक्र: इस धर्म चक्र को विधि का चक्र कहते हैं जो तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व मौर्य सम्राट अशोक द्वारा बनाए गए सारनाथ मंदिर से लिया गया है। इस चक्र को प्रदर्शित करने का आशय यह है कि जीवन गतिशील है और रुकने का अर्थ मृत्यु है।

ध्वज संहिता: 26 जनवरी 2002 को भारतीय ध्?वज संहिता में संशोधन किया गया और स्वतंत्रता के कई वर्ष बाद भारत के नागरिकों को अपने घरों, कार्यालयों और फैक्टरी में न केवल राष्ट्रीय दिवसों पर, बल्कि किसी भी दिन बिना किसी रुकावट के फहराने की अनुमति मिल गई। अब भारतीय नागरिक राष्ट्रीय झंडे को शान से कहीं भी और किसी भी समय फहरा सकते हैं। बशर्ते कि वे ध्वज की संहिता का कठोरता पूर्वक पालन करें और तिरंगे की शान में कोई कमी न आने दें।

सुविधा की दृष्टि से भारतीय ध्वज संहिता, 2002 को तीन भागों में बांटा गया है। संहिता के पहले भाग में राष्ट्रीय ध्वज का सामान्य विवरण है। संहिता के दूसरे भाग में जनता, निजी संगठनों, शैक्षिक संस्थानों आदि के सदस्यों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज के प्रदर्शन के विषय में बताया गया है। संहिता का तीसरा भाग केन्द्रीय और राज्य सरकारों तथा उनके संगठनों और अभिकरणों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज के प्रदर्शन के विषय में जानकारी देता है।

26 जनवरी 2002 विधान पर आधारित कुछ नियम और विनियमन हैं कि ध्वज को किस प्रकार फहराया जाए

क्या करें

* राष्ट्रीय ध्वज को शैक्षिक संस्थानों (विद्यालयों, महाविद्यालयों, खेल परिसरों, स्काउट शिविरों आदि) में ध्वज को सम्मान देने की प्रेरणा देने के लिए फहराया जा सकता है। विद्यालयों में ध्वज आरोहण में निष्ठा की एक शपथ शामिल की गई है।

* किसी सार्वजनिक, निजी संगठन या एक शैक्षिक संस्थान के सदस्य द्वारा राष्ट्रीय ध्वज का अरोहण/प्रदर्शन सभी दिनों और अवसरों, आयोजनों पर अन्यथा राष्ट्रीय ध्वज के मान सम्मान और प्रतिष्ठा के अनुरूप अवसरों पर किया जा सकता है।

* नई संहिता की धारा 2 में सभी निजी नागरिकों अपने परिसरों में ध्वज फहराने का अधिकार देना स्वीकार किया गया है।

क्या न करें

* इस ध्वज को सांप्रदायिक लाभ, पर्दे या वस्त्रों के रूप में उपयोग नहीं किया जा सकता है। जहां तक संभव हो इसे मौसम से प्रभावित हुए बिना सूर्योदय से सूर्यास्त तक फहराया जाना चाहिए।

* इस ध्वज को आशय पूर्वक भूमि, फर्श या पानी से स्पर्श नहीं कराया जाना चाहिए। इसे वाहनों के हुड, ऊपर और बगल या पीछे, रेलों नावों या वायुयान पर लपेटा नहीं जा सकता।

* किसी अन्य ध्वज या ध्वज पट्ट को हमारे ध्वज से ऊंचे स्थान पर लगाया नहीं जा सकता है। तिरंगे ध्वज को वंदनवार, ध्वज पट्ट या गुलाब के समान संरचना बनाकर उपयोग नहीं किया जा सकता।

मेरा देश मेरी पहचान: कैसा देश चाहते हैं आप ?

भारत को सर्वगुण संपन्न देश बनाने के लिए एक ओर तो हमें विषमता व शोषण वाली ताकतों से संघर्ष करना होगा तथा साथ ही अपने जीवन को इन आदर्शों के अनुकूल बनाना होगा। आइए जानें 30 खास महत्वपूर्ण बातें...

(1) हम ऐसा देश चाहते हैं जिसमें सभी लोगों को भरपेट पौष्टिक भोजन मिले, साफ पेयजल मिले।

(2) सभी लोगों को सर्दी-गर्मी व बरसात से रक्षा करने वाले और सफाई की उचित व्यवस्था वाले घर और वस्त्र मिलें।

(3) सभी बच्चों को शिक्षा के उचित खुशहाल अवसर मिलें। जो अशिक्षित वयस्क लोग साक्षर होना चाहते हैं उन्हें साक्षरता के पर्याप्त अवसर मिलें।

(4) बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं सब लोगों को उपलब्ध हों। दवा उद्योग मुनाफे पर आधारित न होकर जरूरतों पर आधारित हों। रोगों की रोकथाम व दुर्घटनाओं को कम करने को प्राथमिकता मिले।

(5) गरीब से गरीब व कमजोर से कमजोर व्यक्ति को आगे जाने का अवसर मिले। इतिहास के सैकड़ों वर्षों में जिनसे अन्याय हुआ है उन अनुसूचित जातियों व जनजातियों, अन्य बहुत पिछड़े वर्गों तथा महिलाओं को अधिक अवसर देने की विशेष व्यवस्था की जाए। छुआछूत को जड़ से समाप्त किया जाए। विकलांग व्यक्तियों को विशेष अवसर मिले व समाज उनकी जरूरतों पर ध्यान दें।

(6) गांवों व कृषि को प्राथमिकता दी जाए। गांवों के आत्मनिर्भर विकास पर जोर दिया जाए। सूखे, बाढ़ से अधिक प्रभावित रहने वाले या अन्य कारणों से अधिक गरीब गांवों पर विशेष ध्यान दिया जाए। गांव के जल, जंगल, जमीन, लघु खनिज आदि संसाधनों पर गांव का अधिकार हो। ग्रामसभा में सभी वयस्क गांववासियों की बराबर व सक्रिय जिम्मेदारी हो। गांव के जल, जंगल, मिट्टी, पत्थर पर आधारित सबको संतोषजनक आजीविका मिले, वे इन सब संसाधनों की रक्षा करें।

(7) समता व सादगी को आर्थिक-सामाजिक विकास का आधार बनाया जाए।

(8) बुनियादी उद्योगों, खाद्य, दवा आदि महत्वपूर्ण क्षेत्रों में देश की आत्मनिर्भरता सुनिश्चित की जाए।

(9) हवा, पानी को साफ रखने व प्रदूषण से बचाने के निष्ठावान प्रयास किए जाएं।

(10) जमीन का उपजाऊपन से बचाने, वनों व चारागाहों की रक्षा करने, हरियाली बढ़ाने, पानी का संरक्षण और संग्रह करने के विशेष प्रयास किए जाएं।

(11) जहां तक संभव हो विस्थापन वाली परियोजनाओं के विकल्प खोजे जाएं। जहां विस्थापन डाला न जा सके, वहां विस्थापितों से पूर्ण न्याय के बाद ही उन्हें हटाया जाए।

(12) भूमिहीन खेत मजदूरों को जमीन दी जाए। जिन किसानों की जमीन बहुत कम हो गई है, हो सके तो उन्हें भी जमीन दी जाए। ग्रामीण दस्तकारों के रोजगार की रक्षा हो। किसी भी कारखाने को बंद करना हो तो मजदूरों से पूर्ण न्याय हो। किसी को अचानक बेरोजगारी में न धकेला जाए।

(13) किसी को ऐसे कार्य करने के लिए मजबूर न होना पड़े जो उसके स्वास्थ्य व इज्जत पर आघात करें।

(14) छोटे शहरों व कस्बों के विकास पर अधिक ध्यान दिया जाए, जिससे महानगरों की झोपड़ियों व फुटपाथों पर रहने की मजबूरियों से लोग बचें। सभी शहरों के विकास में गरीब लोगों की जरूरतों का ध्यान रखा जाए। विलासिता व चमक-दमक के स्थान पर सफाई और बुनियादी जरूरतों को महत्व दिया जाए।

(15) अर्थव्यवस्था में हम गरीब देशों व विकासशील देशों में हो रहे बहुतरफा अन्याय का विरोध करें व विश्व शांति के लिए प्रयास करें। पड़ोसी देशों से संबंध अच्छे रखने का पूरा प्रयास करें, पर साथ ही किसी हमले या किसी आतंकवाद का सामना करने के लिए पूरी तरह से तैयारी में रहें।

(16) सभी तरह के हथियारों को कम करने व नाभिकीय हथियारों को पूरे विश्व में समाप्त करने के प्रयास करें।

(17) सभी धर्मों के अनुयायी अपने धर्म को मानने को स्वतंत्र हों पर किसी अन्य धर्म के विरुद्ध कुछ न कहें।

(18) सभी जीव-जंतुओं के प्रति करुणा की भावना विकसित हो। लोगों के सहयोग से लुप्त हो रहे जीव-जंतुओं की रक्षा की जाए। कृषि पशुओं व डेयरी पशुओं के प्रति कोई क्रूरता न हो। जहरीली दवाओं से पशु-पक्षी न मारे जाएं। शाकाहारिता को प्रोत्साहित किया जाए।

(19) सब तरह के नशे व धूम्रपान के विरुद्ध जन जागृति उत्पन्न की जाए।

(20) ऐसी नीतियां अपनाई जाएं जिनसे गांव-मोहल्ले के स्तर पर आपसी भाईचारा, परिवारों की एकता व प्यार बढ़े, बच्चों तथा वृद्धों का विशेष ख्याल रखा जाए। महिलाओं को गरिमामय स्थान मिले।

स्मार्टफोन निर्यात में भारत दूसरे स्थान पर, पीएलआई स्कीम का असर

- चार साल पहले 14वें स्थान पर था

नई दिल्ली । प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम के अद्भुत प्रभाव के बाद भारत ने स्मार्टफोन निर्यात में एक नया रिकॉर्ड बनाया है। केंद्रीय रेलवे और इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि अब स्मार्टफोन देश के निर्यात के मामले में दूसरे स्थान पर है। यह चार साल पहले 14वें स्थान पर था, जो स्कीम के फलस्वरूप हुआ है। वैष्णव ने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से इसकी सराहना की और कहा कि पीएलआई स्कीम ने भारत की प्रतिस्पर्धा क्षमता में इजाफा किया है। इसके साथ ही, इस स्कीम से सम्बंधित इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन में रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। देश में इकोसिस्टम की तेजी से विकास की ओर कदम बढ़ रहा है और यह सेक्टर विश्वस्तरीय उत्पादों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार है। स्मार्टफोन के साथ-साथ भारत के टॉप-5 निर्यातों में मोटर वाहन डीजल ईंधन, विमानन ईंधन, हीरे और मोटर गैसोलीन शामिल हैं। सरकार ने पीएलआई स्कीम के तहत कंपनियों को वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही में 1,600 करोड़ रुपये का इंसेंटिव प्रदान किया है, जिसमें से बड़े स्तर पर इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग कर रही कंपनियों को 964 करोड़ रुपये मिले हैं। देश के इलेक्ट्रॉनिक निर्यात में वृद्धि के बाद आशा है कि सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग प्लांट्स के शुरू होने से और भी उत्साह भरी गति से इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में तेजी आएगी।

ओला और उबर को सीसीपीए ने जारी किया नोटिस

एक ही जगह के लिए एंड्रायड और आईओएस पर अलग-अलग किराया दिखाने का मामला

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने ओला और उबर जैसी कैब एग्रीगेटर कंपनियों के लिए एंड्रायड और आईओएस प्लेटफ़ार्म पर अलग-अलग किराया दिखाने पर केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने नोटिस जारी किया। ग्राहकों के मोबाइल ऑपरेटिंग सिस्टम के आधार पर मूल्य निर्धारण करने को लेकर स्पष्टीकरण की मांग की गई है। प्राधिकरण ने इस प्रैक्टिस को स्पष्ट रूप से अलग-अलग मूल्य निर्धारण के रूप में वर्णित किया है और उद्यमों से संभावित भेदभाव को हटाने की गुहार दी है। केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने इस निर्देश के माध्यम से सभी स्थितियों में उपयुक्त और सरल समाधान की दिशा में कदम उठाने की आशा व्यक्त की है। केंद्र सरकार ने कैब एग्रिग्रेटर ओला और उबर से एंड्रायड और आईओएस पर एक ही जगह के लिए अलग-अलग किराया दिखाए जाने को लेकर नोटिस जारी किया है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने सवारी बुक करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले मोबाइल डिवाइस के आधार पर कथित रूप से अलग-अलग मूल्य निर्धारण की रिपोर्ट पर स्पष्टीकरण मांगा है। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) की ओर से यह कार्रवाई उन रिपोर्टों के बाद की गई है, जिनमें कहा गया था कि ओला और उबर एक ही जगह के लिए अलग-अलग किराया वसूलते हैं। यह इस बात पर निर्भर करता है कि यूजर आईफोन से बुक कर रहा है या एंड्रॉइड डिवाइस से बुकिंग कर रहा है। सीसीपीए ने दोनों कंपनियों से अपने मूल्य निर्धारण के तरीकों को स्पष्ट करने और संभावित भेदभाव की चिंताओं को दूर करने के लिए कहा है।

ट्राई के आदेश का असर, जिओ ने वॉयस और एसएमएस वाले प्रीपेड प्लान को उतारा

नई दिल्ली । एयरटेल की ओर से हाल ही में सस्ते प्लान लाए गए थे। अब इसी क्रम में जियो ने कदम आगे बढ़ाया है। जिओ ने वॉयस और एसएमएस वाले प्रीपेड प्लान को मार्केट में उतारा है। ट्राई की तरफ से टेलीकॉम कंपनियों को इसतरह प्लान लाने के लिए कहा गया था। ट्राई ने कहा था कि यूजर्स को स्पेशल टेरिफ वाउचर लाने चाहिए। इसतरह के प्लान में यूजर्स को वॉयस और एसएमएस बेनिफिट्स मिलने चाहिए।

जिओ ने 458 का प्लान लाया है। ये एंट्री लेवल प्लान है, इसमें यूजर्स को अनलिमिटेड वॉयस कॉल्स और 1 हजार एसएमएस की सुविधा दी जा रही है। इस प्लान की वैलिडिटी 84 दिनों की मिलती है। साथ में यूजर्स को सब्सक्रिप्शन बेनिफिट्स भी मिलते हैं। यानी यूजर्स अगर ये प्लान खरीदते हैं, तब साथ में उन्हें जियो टीवी, जियो सिनेमा और जियो क्लाउड मिलने वाला है। पहले ये प्लान 479 का आता था और इसमें वॉयस और एसएमएस के साथ 6जीबी डेटा दिया जाता था। अब प्लान को अपडेट करने के बाद 21 रुपए सस्ता कर दिया गया है, लेकिन इसमें डेटा बेनिफिट्स को भी हटाया गया है।

जिओ की तरफ से 1958 का प्लान भी लाया गया है। इसकी वैलिडिटी 365 दिनों की मिलती है। यूजर्स को प्लान में अनलिमिटेड वॉयस कॉल्स और 3,600 एसएमएस भी दिए जाते हैं। इसके साथ आपको जियो एप का सब्सक्रिप्शन भी दिया जाएगा। इसमें जियो टीवी, जियो सिनेमा और जियो क्लाउड को भी शामिल किया गया है। वैल्यू ऑफरिंग के तहत ये प्लान जियो ने वेबसाइट पर लिस्ट किया है। इससे पहले जियो की तरफ से ये प्लान 1899 की कीमत में था। इसकी वैलिडिटी 336 दिनों की मिलती है। प्लान में अनलिमिटेड वॉयस कॉलिंग, 3600 एसएमएस, 6जीबी डेटा दिया जाता है। प्लान अपडेट करने के बाद जियो ने कीमत को 59 रुपए महंगा कर दिया है, लेकिन इसमें डेटा को हटाकर वैलिडिटी को 29 दिनों के लिए बढ़ा दिया है।

पेट्रोल-डीजल बिहार सहित कई राज्यों में हुआ सस्ता

नई दिल्ली । सरकारी तेल कंपनियों ने शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतें जारी कर दी हैं। शुक्रवार को कई राज्यों में तेल के दाम नीचे दिख रहे। इसकी वजह ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट है। ब्रेंट क्रूड का भाव एक बार फिर 80 डॉलर से नीचे जाता दिख रहा है, जिसका असर घरेलू बाजार में खुदरा कीमतों पर भी दिखा. हालांकि, दिल्ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों में शुक्रवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं दिख रहा है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार, हरियाणा की राजधानी गुरुग्राम में आज पेट्रोल 18 पैसे सस्ता होकर 94.99 रुपये लीटर बिक रहा है। डीजल भी 18 पैसे गिरा और 87.84 रुपये लीटर पहुंच गया है। बिहार की राजधानी पटना में भी पेट्रोल 35 पैसे सस्ता होकर 105.23 रुपये लीटर तो डीजल 33 पैसे गिरकर 02.09 रुपये लीटर बिक रहा है। राजस्थान की राजधानी जयपुर में पेट्रोल 19 पैसे चढ़कर 104.91 रुपये लीटर पहुंच गया, जबकि डीजल 17 पैसे महंगा होकर 90.21 रुपये लीटर बिक रहा है। कच्चे तेल की बात करें तो बीते 24 घंटे में इसकी कीमतों में गिरावट देखी जा रही है। ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 78.29 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई भी उछाल के साथ 74.27 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर है। इन शहरों में बदल गए रेट- गुरुग्राम में पेट्रोल 94.99 रुपये और डीजल 87.84 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 105.23 रुपये और डीजल 92.09 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

जयपुर में पेट्रोल 104.91 रुपये और डीजल 90.21 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

होम सिक्योरिटी सॉल्यूशन में 53 प्रतिशत उपभोक्ताओं ने उन्नत तकनीक को प्राथमिकता दी

- वर्ष 2027 तक तीसरा सबसे बड़ा डोमेस्टिक ट्रैवल मार्केट बनने की संभावना

नईदिल्ली । जब राष्ट्रीय पर्यटन दिवस नजदीक आ रहा है, तो गोदरेज एंटरप्राइज ग्रुप के सुरक्षा समाधान व्यवसाय ने एक हैप्पीनेस सर्वे आयोजित किया जिसमें प्राप्त हुए नतीजे दिखा रहे हैं कि 53 फीसदी ग्राहक आधुनिक होम सिक्योरिटी सॉल्यूशन में उन्नत तकनीक को प्राथमिकता दे रही हैं। यह सर्वे दर्शाता है कि सुरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट और अभिनव उपायों की मांग तेजी से बढ़ रही है। पर्यटन के अमूल्य योगदान की बात करते हुए, राष्ट्रीय पर्यटन दिवस ने भी दर्शाया है कि भारत का पर्यटन उद्योग तेजी से विकसित हो रहा है और वर्ष 2027 तक तीसरा सबसे बड़ा डोमेस्टिक ट्रैवल मार्केट बनने की संभावना है। केवल 2024 में ही इस क्षेत्र ने विदेशी मुद्रा में 25,010 करोड़ रुपए से अधिक का राजस्व उत्पन्न किया है। इस उन्नति के साथ, यात्रियों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं भी बढ़ रही हैं। एक अलग सर्वे में पाया गया है कि 50 फीसदी गृहस्वामी उपयोग में आसानी को प्राथमिकता देते हैं, जबकि 44 फीसदी घर के मालिक मानते हैं कि विश्वसनीयता ही सबसे महत्वपूर्ण है। इससे स्पष्ट है कि लोग सुरक्षा में उन्नति की मांग कर रहे हैं और समाधानों की खोज में हैं जो उनकी सुरक्षा को सुनिश्चित करने में मदद करें। इस परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए गोदरेज एंटरप्राइज ग्रुप के सुरक्षा समाधान व्यवसाय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सुरक्षा समाधानों की उच्च मांग ने उन्हें ग्राहकों के लिए उत्कृष्ट समाधान उपलब्ध कराने के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने गोदरेज की प्रतिबद्धता और योजना की महत्वपूर्णता को भी जाहिर किया कि लोगों को सुरक्षित रखने में मदद करना हमारी प्राथमिकता है।

2025 की शुरुआत में मिड और स्मॉलकैप स्टॉक्स का बुरा हाल

नई दिल्ली । 2025 की पहली तिमाही ने मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक्स के लिए कमर कस ली है। इन इंडेक्स ने अब तक बेंचमार्क निफ्टी 50 से कमजोर प्रदर्शन किया है। मिडकैप 150 इंडेक्स ने 2025 में करीब 7 फीसदी की गिरावट दर्ज की है, जबकि स्मॉलकैप 250 इंडेक्स करीब 9 फीसदी गिर चुका है। निफ्टी 50 इंडेक्स भी इसी अवधि में लगभग 2 फीसदी कमजोर हुआ है। विशेषज्ञों का कहना है कि बाजार में दो अहम ट्रेंड्स नजर आ रहे हैं। पहला ट्रेंड है संस्थागत गतिविधियां, जहां फॉरेन इंस्टिट्यूशनल इन्वेस्टर्स बिकवाली कर रहे हैं और डोमेस्टिक इंस्टिट्यूशनल इन्वेस्टर्स खरीदारी कर रहे हैं। दूसरा ट्रेंड है क्वालिटी की ओर रुझान, जहां लार्जकैप स्टॉक्स मजबूत हैं जबकि बॉडर मार्केट कमजोर हो रहा है। मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में हालिया गिरावट ने लंबे समय की तेजी को ठहराया है। एक्सपर्ट्स कह रहे हैं कि इनके वैल्यूएशन महंगे हो चुके हैं और आगे भी सुधार की संभावना कम है। इसके बजाय, लार्जकैप शेयरों पर ध्यान देने की सलाह दी जा रही है।

क्रिप्टोकरेंसी घोटाले में फंसी पेटीएम, ईडी की जांच के घेरे में आई

मुंबई । डिजिटल भुगतान की दिग्गज कंपनी पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस क्रिप्टोकरेंसी घोटाला मामले में ईडी की जांच के घेरे में आ गई है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जांच के दायरे में आने की खबर के बाद पेटीएम का स्टॉक भारी गिरावट के साथ ट्रेड कर रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार पेटीएम उन आठ पेमेंट गेटवे कंपनियों में शामिल है, जिनके खिलाफ ईडी ने जांच शुरू की है। इन कंपनियों के वर्चुअल अकाउंट्स में करीब 500 करोड़ रुपए की राशि को ईडी ने फ्रीज कर दिया है। यह कार्रवाई चीनी नागरिकों द्वारा चलाए जा रहे कथित क्रिप्टोकरेंसी घोटाले में इन कंपनियों की संभावित संलिप्तता के चलते की गई है। आरोप है कि चीन के इन नागरिकों ने एचपीजेड टोकन ऐप के जरिए 20 राज्यों में हजारों लोगों को झांसे में लेकर 2200 करोड़ रुपए से ज्यादा की राशि जुटाई। ईडी ने इस घोटाले में पेटीएम समेत अन्य कंपनियों की भूमिका की जांच शुरू की है। इस खबर के बाद पेटीएम का स्टॉक शुक्रवार को 849.95 रुपए पर खुलने के बाद लगभग 9 फीसदी गिरकर 773.05 रुपए के निचले स्तर पर पहुंच गया।

जीएसटी टैक्स: छोटे आय वाले मिस्त्री को 1.96 करोड़ का टैक्स नोटिस

- सुनील के नाम पर 11 कंपनियां हो रही है संचालित

अहमदाबाद । गुजरात के पाटन जिले से जीएसटी से जुड़ा एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। अहमदाबाद में मिस्त्री का काम करने वाले सुनील सथवारा को बेंगलुरु जीएसटी विभाग से 1.96 करोड़ रुपये का टैक्स नोटिस मिला। महज 16-17 हजार रुपये की मासिक आय से परिवार चलाने वाले सुनील के लिए यह नोटिस किसी बड़े सदमे से कम नहीं था। जांच में यह खुलासा हुआ कि सुनील के नाम पर 11 कंपनियां संचालित हो रही हैं, जो देश के अलग-अलग राज्यों जैसे उत्तर प्रदेश, मणिपुर, त्रिपुरा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु और अंडमान निकोबार में पंजीकृत हैं। यह भी पाया गया कि इन कंपनियों के पंजीकरण के लिए सुनील के नकली आधार और पैन कार्ड का उपयोग किया गया था। टैक्स नोटिस मिलने के बाद सुनील ने वकील से संपर्क किया और दस्तावेजों की जांच कराई। फर्जी दस्तावेजों के उपयोग का पता चलने पर उन्होंने गृह विभाग और क्राइम ब्रांच में शिकायत दर्ज कराई। सुनील का कहना है कि उनके दस्तावेजों का दुरुपयोग कर यह रैकेट संचालित किया गया है। मामले की जांच गांधीनगर सीआईडी क्राइम के हवाले की गई है। जांच के बाद यह स्पष्ट होगा कि यह रैकेट किसने चलाया, असली आरोपी कौन है और उसका मकसद क्या था। यह घटना आधार और पैन कार्ड से जुड़ी सुरक्षा खामियों और फर्जीवाड़े को उजागर करती है। संबंधित विभागों से अपील की जा रही है कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कठोर कदम उठाए जाएं।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई । भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आयी है। इसके साथ ही देसी कंपनियों के दिसंबर तिमाही परिणामों को लेकर चिंता की वजह से भी दोनों प्रमुख इंडेक्स लगातार नीचे आये हैं। इसके साथ ही एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसे दिग्गज कंपनियों के शेयरों में मुनाफावसूली ने भी बाजार टूटा है।

दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स सेंसेक्स 329.92 अंक करीब 0.43 फीसदी की गिरावट के साथ ही 76,190.46 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी आज उतार-चढ़ाव के बाद अंत में 113.15 अंक तकरीबन 0.49 फीसदी नीचे आकर 23,092 पर बंद हुआ।

जानकारों के अनुसार आज बाजार में गिरावट का कारण विदेशी निवेशकों की बिकवाली का सिलसिला जारी रहने से आया है। इसके अलावा। विदेशी निवेशकों ने घरेलू बाजारों से 5,462 करोड़ रुपये की इक्विटी बेचीं। जिससे भी बाजार नीचे आया है।

इसके साथ ही देसी कंपनियों के दिसंबर तिमाही के परिणामों के उम्मीद से कम रहने की वजह से बाजार सेंटीमेंट प्रभावित हुआ है। इसकी वजह से दोनों प्रमुख इंडेक्स लगातार तीसरी बार गिरावट पर बंद हुए। एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसे हैवीवेट शेयरों में मुनाफावसूली से भी बाजार फिसला है।

वहीं गत दिवस बाजार तेजी के साथ बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह बाजार तीसरे कारोबारी सत्र में बढ़त के साथ खुले। एशिया बाजार शुक्रवार सुबह तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं, जो वॉल स्ट्रीट की मजबूती का असर है। कामकाज शुरू होने पर बीएसई का प्रमुख संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 33.14 अंक उछलकर 76,553.52 अंक पर खुला। वहीं निफ्टी ने भी 7.80 अंक बढ़कर 23,213.15 अंक पर अपने कारोबार की शुरुआत की। वहीं एशिया बाजार में शुक्रवार को तेजी देखने को मिल रही है। अमेरिकी बाजारों में एसएंडपी 500 ने 0.53 फीसदी की बढ़त के साथ 6,118.71 पर बंद होकर लगातार दूसरे सत्र में ऑल-टाइम हाई बनाया। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.92 फीसदी बढ़कर 44,565.07 पर पहुंच गया, जबकि नैस्डैक कंपोजिट 0.22 फीसदी बढ़कर 20,053.68 पर बंद हुआ।

कल्पतरु प्रोजेक्ट्स को मिले 2,038 करोड़ के ठेके

नई दिल्ली । कल्पतरु प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल लिमिटेड (केपीआईएल) ने अपनी अंतरराष्ट्रीय अनुषंगी कंपनियों के साथ मिलकर 2,038 करोड़ रुपये के नए ठेके हासिल करने की शुक्रवार को जानकारी दी। कंपनी की ओर से जारी बयान के अनुसार नए ठेके भारत और विदेशी बाजारों में पारेषण एवं वितरण कारोबार के साथ-साथ भारत में निर्माण परियोजनाओं में हैं। केपीआईएल के एक अधिकारी ने कहा कि इन नए ठेकों के साथ हमारे ठेके वार्षिक आधार पर 19,361 करोड़ रुपये तक पहुंच गए है, जो व्यापार दृश्यता में उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है। केपीआईएल सबसे बड़ी विशेषीकृत ईपीसी (इंजीनियरिंग, खरीद व निर्माण) कंपनियों में से एक है। यह वर्तमान में 30 से अधिक देशों में परियोजनाओं को क्रियान्वित कर रहा है। वैश्विक स्तर पर 75 देशों में इसकी उपस्थिति है।

अरविंद स्मार्टस्पेसेज ने टाउनशिप बनाने के लिए किया संयुक्त विकास समझौता

- 92 एकड़ की टाउनशिप विकसित करेगा, 1,500 करोड़ रुपये के राजस्व का लक्ष्य

ARVIND SMARTSPACES

नई दिल्ली । भूमि विकास के क्षेत्र में अपनी अद्वितीय पहचान बनाने वाली अरविंद स्मार्टस्पेसेज लिमिटेड ने शुक्रवार को 92 एकड़ में टाउनशिप बनाने के लिए संयुक्त विकास समझौता किया है। इस गृहप्रशासन निर्माण परियोजना से उन्हें 1,500 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल होने की उम्मीद है। अरविंद स्मार्टस्पेसेज के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस महत्वपूर्ण समझौते पर विचार किया है। उन्होंने कहा कि हमें मुंबई रियल एस्टेट बाजार में प्रवेश की इस अद्भुत संभावना के लिए बहुत खुशी है। यह हमारी विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अहम समझौते के तहत टाउनशिप के निर्माण के लिए सच डेवलपर्स के साथ साझेदारी की जा रही है। इस ताजी भूमि विकास योजना का कुल अनुमानित क्षेत्रफल 92 एकड़ है और इससे कुल 1,500 करोड़ रुपये की आय होने की उम्मीद है। यह सहायक संयुक्त विकास मॉडल के तहत योजनाबद्ध है, जो 70.5 प्रतिशत राजस्व हिस्सेदारी को शामिल करता है। अरविंद स्मार्टस्पेसेज 2008 में स्थापित हुई अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर कंपनी में से एक है, जिसने भारतीय निवेशदाताओं के लिए नए अवसरों का संवाहन किया है।

अमेजन वेब सर्विसेज भारत में क्लाउड कंप्यूटिंग क्षमता बढ़ाने महाराष्ट्र में करेगी निवेश

मुंबई । अमेजन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) ने भारत में क्लाउड कंप्यूटिंग क्षमता बढ़ाने के लिए महाराष्ट्र में 8.3 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने की योजना की घोषणा की। अमेजन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) ने भारत में क्लाउड कंप्यूटिंग क्षमता बढ़ाने के लिए महाराष्ट्र में एडब्ल्यूएस एशिया-प्रशांत (मुंबई) क्षेत्र में क्लाउड बुनियादी ढांचे में 8.3 अरब अमेरिकी डॉलर याने करीब 72 हजार करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना की घोषणा की है। यह निवेश एडब्ल्यूएस के 2030 तक भारत के लिए 12.7 अरब अमेरिकी डॉलर याने 1 लाख 10 हजार करोड़ रुपये के बड़े नियोजित निवेश का हिस्सा है, जिसकी घोषणा मई 2023 में की गई थी। अमेजन की क्लाउड कंप्यूटिंग इकाई ने कहा कि एडब्ल्यूएस ने भारत में क्लाउड कंप्यूटिंग क्षमता का और विस्तार करने के लिए महाराष्ट्र में एडब्ल्यूएस एशिया-प्रशांत (मुंबई) क्षेत्र में क्लाउड के बुनियादी ढांचे में 8.3 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने की अपनी योजना की घोषणा की। अनुमान है कि इस निवेश से भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 15.3 अरब अमेरिकी डॉलर का योगदान होगा। स्थानीय डेटा सेंटर आपूर्ति श्रृंखला में 2030 तक सालाना 81,300 से अधिक पूर्णकालिक नौकरियां सृजित होंगी। एडब्ल्यूएस ने 2016 से 2019 के बीच महाराष्ट्र में क्लाउड के बुनियादी ढांचे में 3.7 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का निवेश किया है। महाराष्ट्र सरकार और एडब्ल्यूएस ने निवेश योजना को औपचारिक रूप देने के लिए दावोस में विश्व आर्थिक मंच पर एक समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने कहा, 'जैसा कि हम डेटा सेंटर के लिए वैश्विक राजधानी बनने के अपने दृष्टिकोण की ओर बढ़ रहे हैं। यह सहयोग न केवल हमारे राज्य के प्रौद्योगिकी बुनियादी ढांचे को मजबूत करेगा, बल्कि नवाचार, आर्थिक वृद्धि और रोजगार सृजन के नए अवसर भी उत्पन्न करेगा।

पतंजलि की लाल मिर्च फिर शक के दायरे में

- फूड अथॉरिटी ने पूरा बैच वापस मंगाया

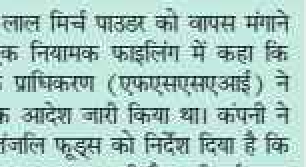

नई दिल्ली । पतंजलि फूड्स लिमिटेड ने कहा कि खाद्य नियामक एफएसएसएआई ने कंपनी को खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन नहीं करने को लेकर एक विशेष बैच की पैक की गई लाल मिर्च पाउडर को वापस मंगाने का निर्देश दिया है। कंपनी ने एक नियामक फाइलिंग में कहा कि भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने इस संबंध में 13 जनवरी को एक आदेश जारी किया था। कंपनी ने कहा, खाद्य सुरक्षा नियामक ने पतंजलि फूड्स को निर्देश दिया है कि वह पूरे बैच (बैच नंबर - एजेडी2400012) की पैक की गई लाल मिर्च पाउडर को वापस मंगाए, क्योंकि यह खाद्य सुरक्षा और मानक विनियम, 2011 का पालन नहीं करता है। 1986 में स्थापित बाबा रामदेव के नेतृत्व वाली पतंजलि आयुर्वेद समूह की कंपनी, पतंजलि फूड्स (पूर्व में रुचि सोया) भारत की शीर्ष एफएमसीजी कंपनियों में से एक है। कंपनी खाद्य तेल, खाद्य और एफएमसीजी और पवन ऊर्जा उत्पादन क्षेत्रों में सक्रिय है। यह पतंजलि, रुचि गोल्ड, न्यूट्रेला आदि ब्रांडों के तहत उत्पाद बेचती है।

टी20 क्रिकेटर ऑफ द ईयर बने अर्शदीप सिंह, बाबर समेत इन खिलाड़ियों को पछाड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को आईसीसी मेंस टी20 इंटरनेशनल क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2024 अवॉर्ड जीता है। इस अवॉर्ड की रेस में कुल चार प्लेयर थे। 25 वर्षीय अर्शदीप ने पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज बाबर आजम, ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड और जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा को पछाड़ दिया है। अर्शदीप ने पहली बार ये अवॉर्ड अपने नाम किया है।

भारतीय गेंदबाज ने पिछले साल बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने लगातार मैचों में छाप छोड़ी। अर्शदीप ने 2024 में 18 टी20 मैचों में 36 विकेट चटकाए। वह सबसे छोटे फॉर्मेट भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। सिर्फ चार खिलाड़ियों ने कैलेंडर वर्ष में अर्शदीप से ज्यादा टी20 इंटरनेशनल विकेट लिए। उनसे आगे सऊदी अरब के उस्मान नजीब, श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा , यूएई के जुनैद सिद्दीकी और हॉन्ग कॉन्ग के एहसान खान रहे।

अमेरिका में हुए टी20 विश्व कप में अर्शदीप ने पावरप्ले और अंतिम ओवरों की गेंदबाजी अपनी महारत दिखाई। टूर्नामेंट के अंत में वह अफगानिस्तान के फजलहक फारूकी के साथ संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। उन्होंने आठ मैचों में 12.64 की औसत से 17 विकेट लिए। उनके शानदार प्रदर्शन से भारत ने फाइनल में दक्षिण अफ्रीका पर सात रन की नाटकीय जीत दर्ज की जिसमें उन्होंने 20 रन देकर दो विकेट झटके। उन्होंने दक्षिण अफ्रीक के कप्तान एडेन मार्करम को जल्दी आउट किया और फिर क्विंटन डी कॉक को आउट करके बड़ी साझेदारी बनने से रोका। अर्शदीप ने अंतिम ओवर में गेंदबाजी करते हुए सिर्फ चार रन दिए जिससे हार्दिक पंड्या के लिए काम आसान हो गया।

अर्शदीप 2024 में भारत के सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे, उन्होंने 18 मैचों में 15.31 के औसत से 36 विकेट झटके। इस साल उन्होंने टी20 विश्व कप के संयुक्त मेजबान अमेरिका के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए नौ रन देकर चार विकेट झटके। अर्शदीप 97 विकेट लेकर भारत के लिए इस प्रारूप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

मैडिसन कीज बनीं ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन, फाइनल में सबालेंका को हराया

मेलबर्न (एजेंसी)। अमेरिका की 19वीं वरीयता प्राप्त मैडिसन कीज ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 का महिला सिंगल्स का खिताब जीत लिया। इस दौरान उन्होंने महिला रैंकिंग में वर्ल्ड नंबर-1 खिलाड़ी अरीना सबालेंका को हराया। हालांकि, इस मैच को सभी को उम्मीद थी कि सबालेंका खिताब जीतने में कामयाब होंगी लेकिन अमेरिकी खिलाड़ी मैडिसन ने बड़ा उलटफेर करने के साथ तीन सेट में मुकाबले को अपने नाम कर दिया।

इस मैच में सबालेंका ने पहला सेट गंवाने के बाद दूसरे सेट में वापसी तो की लेकिन तीसरे और निर्णायक सेट को मैडिसन ने जीतने के साथ अपने करियर का पहला ग्रैंड स्लैम टाइटल भी जीता। मैडिसन कीज और अरीना सबालेंका के बीच खेले गए ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 महिला सिंगल्स ग्रैंड स्लैम फाइनल मुकाबले को लेकर बात की जाए तो उसमें पहले सेट को मैडिसन ने 6-3 से अपने नाम किया वहीं इसके बाद दूसरे सेट में अरीना सबालेंका ने शानदार वापसी करने के साथ उसे 6-2 से जीता।

अब 1-1 से मैच बराबरी पर आने के बाद सभी फैंस की नजरें तीसरे और निर्णायक सेट पर थी जिसमें मैडिसन ने फिर से वापसी करने के साथ इस रोमांचक सेट को 7-5 से जीता और अरीना साबलेंका का तीसरी बार खिताब जीतने का सपना भी तोड़ दिया। अगर सबालेंका ऐसा करने में कामयाब होती तो वह साल 1997 से 1999 में मार्टिना हिंगिस के बाद पहली महिला खिलाड़ी होती जो मेलबर्न पार्क में लगातार तीन बार ऑस्ट्रेलियन ओपन को अपने नाम करती।

वहीं अमेरिका की खिलाड़ी ने जीत दर्ज करते ही अपना चेहरा अपने हाथों से ढक लिया, फिर हाथों को ऊपर उठा का जश्न मनाया। उन्होंने इसके बाद अपने पति और कोच (2023 से) ब्योर्न फ्रैटंगेलो और टीम के अन्य सदस्यों को गले लगाया। सबालेंका ने कीज को बधाई देने के बाद अपने टेबल के पास जाकर रैकेट को जोर से जमीन पर पटका और अपनी भावनाओं को छिपाने के लिए सफेद तौलिये से चेहरा ढक लिया। अमेरिकी ओपन 2015 में फ्लाविया पेनेटा के 33 साल की उम्र में चैंपियन बनने के बाद कीज सबसे उम्रदराज महिला ग्रैंड स्लैम चैम्पियन हैं। कीज अपने 46वें ग्रैंड स्लैम में चैम्पियन बनी।

शानदार फार्म में चल रहे अर्जुन तेंदुलकर को गोवा ने कर दिया ड्रॉप... उठे सवाल

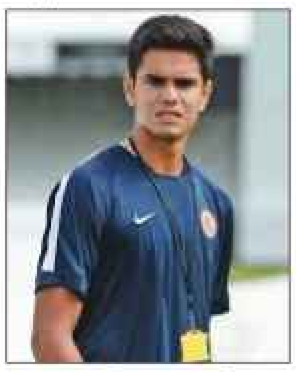

नई दिल्ली (एजेंसी)। रणजी ट्रॉफी को अब दो भागों में बांटा गया है। एलीट और प्लेट के मुकाबले अब अलग-अलग होते हैं। प्लेट ग्रुप में गोवा के साथ अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मिजोरम, सिक्किम और मणिपुर की टीम है। गोवा और नागालैंड को टीम फाइनल में पहुंची है। दीमापुर के नागालैंड क्रिकेट स्टेडियम पर खिताबी मुकाबला हो रहा है। इस मुकाबले में गोवा ने चौंकाने वाले फैसला लेकर अर्जुन तेंदुलकर को ड्रॉप कर दिया।

अर्जुन ने रणजी ट्रॉफी प्लेट के ग्रुप मुकाबलों में अच्छी गेंदबाजी की थी। सिर्फ 4 मैचों में उन्होंने 16 बल्लेबाजों को पवेलियन पहुंचाया था। उनका औसत 18 और स्ट्राइक रेट 36 का रहा। वे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले टॉप-10 गेंदबाजों में भी शामिल हैं। टॉप-10 में सिर्फ एक ही गेंदबाज का स्ट्राइक रेट अर्जुन से ठीक रहा। अरुणाचल के खिलाफ आखिरी मैच में उन्होंने 25 रन देकर 5 झटके थे। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में यह अर्जुन का बेस्ट प्रदर्शन भी है।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी में अर्जुन स्क्वॉड का रहे थे। दोनों ही टूर्नामेंट में उन्हें 3-3 मैच खेलने का ही मौका मिला। इस दौरान उन्हें 5 विकेट मिला और इसमें 3 एक ही मुकाबले में थे।

अर्जुन ने अभी तक 17 फर्स्ट क्लास मैच में 27, 18 लिस्ट ए मैच में 25 जबकि 24 टी20 में 27 विकेट लिए हैं। अपने डेब्यू फर्स्ट क्लास मैच में उन्होंने शतक भी लगाया था। रणजी ट्रॉफी प्लेट के फाइनल में गोवा और नागालैंड के बीच कड़ी टक्कर देने को मिल रही है। पहली पारी में गोवा की टीम ने 276 रन बनाए। जदीशन सुचित ने 4 विकेट झटके। कप्तान जोनाथन आर की 86 रनों की पारी की मदद से नागालैंड ने भी 216 रन बना लिए।

आईसीसी महिला वर्ल्ड कप 2025 के लिए न्यूजीलैंड को सीधा प्रवेश

दुबई (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने आईसीसी महिला वर्ल्ड कप 2025 के लिए सीधा प्रवेश किया है। यह तय हुआ जब बांग्लादेश महिला क्रिकेट टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ अपनी आईसीसी महिला चैंपियनशिप सीरीज का मैच हार गई। न्यूजीलैंड और बांग्लादेश दोनों ने 10 टीमों की प्रतियोगिता में 21-21 अंक बनाए, लेकिन न्यूजीलैंड ने ज्यादा मैच (9) जीतने के कारण सीधी जगह बनाई, जबकि बांग्लादेश ने 8 मैच जीते थे। टूर्नामेंट में हर टीम ने 8 सीरीज खेली 4 अपने देश में और 4 बाहर के देशों में। भारत (मेजबान) और शीर्ष 5 अन्य टीमों ने वर्ल्ड कप के लिए सीधे क्वालीफाई किया है। नीचे की चार टीमों को क्वालिफायर टूर्नामेंट के जरिए मौका मिलेगा। ऑस्ट्रेलिया ने 39 अंकों के साथ चैंपियनशिप जीती। भारत 37 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। इंग्लैंड (32), दक्षिण अफ्रीका (25), और श्रीलंका (22) भी सीधे वर्ल्ड कप में पहुंचीं।

बांग्लादेश (21), वेस्टइंडीज (18), पाकिस्तान (17) और आयरलैंड (आठ) 31 अक्टूबर, 2024 तक दो अन्य सर्वोच्च रैंकिंग वाली टीमों स्कॉटलैंड और थाईलैंड के साथ विश्व कप क्वालीफायर में शामिल हो जाएंगे। क्वालीफायर के विवरण की घोषणा आगे होगी। क्वालीफायर के माध्यम से दो स्थान हासिल करने की संभावना है। 2025 में महिला वनडे वर्ल्ड कप भारत में होगा। यह पांचवीं बार है जब भारत इसकी मेजबानी करेगा। इसके पहले भारत में आखिरी बार 2016 में महिला टी20 वर्ल्ड कप हुआ था। इस बार भी वर्ल्ड कप का फॉर्मेट 2022 जैसा रहेगा, जिसमें 8 टीमें कुल 31 मैच खेलेंगी।

वाइटैलिटी ब्लास्ट और हंड्रेड के साथ टकराने वाले किसी टूर्नामेंट में नहीं खेल सकेंगे खिलाड़ी : ईसीबी

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने कहा है कि खिलाड़ियों को वाइटैलिटी ब्लास्ट और द हंड्रेड के साथ टकराने वाले किसी भी टूर्नामेंट में हिस्सा लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी। ईसीबी के अनुसार नई नीति के तहत जो खिलाड़ी अब फर्स्ट क्लास क्रिकेट नहीं खेलते हैं उन्हें भी इंग्लिश घरेलू व्हाइट-बॉल खेलों को मिस करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। ईसीबी के मुख्य अधिकारी रिचर्ड गोल्ड ने कहा कि हमें अपने खेल और अपनी प्रतियोगिताओं की मजबूती को बनाये रखने की आवश्यकता है। इसके साथ ही कहा कि अब खिलाड़ी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अलावा कोई अन्य लीग भी नहीं खेल पायेंगे। साथ ही कहा कि उसके खिलाड़ी अब पाकिस्तान सुपर लीग में भी नहीं खेल पाएंगे। इसका कारण है कि ईसीबी ने अपनी खिलाड़ियों के इस लीग में जाने पर प्रतिबंध लगा दिया है। ईसीबी के अनुसार पीएसएल के समय ही देश में घरेलू सत्र भी चलता है। ऐसे में खिलाड़ियों की उपलब्धता में आ रही परेशानी को दूसरे करने के लिए ईसीबी ने अपने खिलाड़ियों के उस समय कहीं और खेलने पर रोक लगा दी है। आईपीएल पर ये प्रतिबंध लागू नहीं होता है।

हैरी ब्रूक विश्व क्रिकेट में काफी आगे जाएंगे : कार्तिक

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज रहे दिनेश कार्तिक ने कहा है कि विश्व क्रिकेट के अगले सितारे शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल नहीं बल्कि इंग्लैंड के युवा बल्लेबाज हैरी ब्रूक होंगे। हैरी ने पदार्पण के बाद से ही कई अच्छी पारियां खेली हैं। कार्तिक के अनुसार जिस तरह से हैरी खेल रहे हैं उसे देखकर लगता है कि वो विश्व क्रिकेट में काफी आगे जा सकते हैं। इस पूर्व विकेटकीपर ने कहा , मेरे लिए, ब्रूक युवा पीढ़ी के सबसे खास खिलाड़ियों में से एक हैं, और निश्चित रूप से, जब वह अपना टेस्ट करियर खत्म करेंगे, तो उसे ऐसे खिलाड़ी के रूप में जाना जाएगा जिसने शानदार प्रदर्शन किया है और उन खिलाड़ियों में शामिल होंगे जो ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम की श्रेणी में आते हैं. उसके पास एक बेहतरीन फ्री-फ्लोइंग बल्लेबाजी तकनीक है। कार्तिक ने साथ ही कहा, सबसे अहम बात, उसके पास एक ऐसा दिमाग है जो उसे बहुत सरल बनाये रखता है। इसलिए, वह बिना किसी संदेह के शीर्ष स्तर पर जा सकते हैं. ब्रूक ने डेब्यू के बाद से ही अब तक 24 टेस्ट मैचों में 2281 रन बनाये हैं। लाल गेंद प्रारुप में ब्रूक ने अपनी बल्लेबाजी से विश्व क्रिकेट को चौंकाया है। यही कारण है कि कार्तिक के अलावा कई पूर्व दिग्गज भी भविष्य का सितारा मानते हैं. ब्रूक ने अपने टेस्ट करियर में अब तक 8 शतक और 10 अर्धशतक लगाये हैं। वहीं एकदिवसीय में उनके नाम एक शतक है। वहीं टी-20 अंतरराष्ट्रीय में तीन अर्धशतक शामिल है।

मुसीबत जारी, ऋषभ पंत का खराब प्रदर्शन, दिल्ली 2 दिन में हारी

खेल डैस्क। रणजी ट्रॉफी के तहत राजकोट के मैदान पर सौराष्ट्र के खिलाफ खेले गए मुकाबले को दिल्ली ने 2 दिन में ही गंवा दिया है। सौराष्ट्र के लिए रविंद्र जडेजा हीरो बनकर उभरे। उन्होंने पहली पारी में 5 तो दूसरी में 7 विकेट चटकाए जिससे दिल्ली को शर्मनाक हार झेलने को मजबूर होना पड़ा। दिल्ली के लिए यह मैच अहम था क्योंकि इसमें ऋषभ पंत ने लंबे समय बाद वापसी की थी लेकिन पंत पहली पारी में 1 तो दूसरी पारी में महज 17 रन ही बना पाए। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के दौरान ऋषभ से क्रिकेट फैंस को काफी उम्मीदें थीं लेकिन वह वहां पर बड़ा प्रदर्शन नहीं कर पाए।

ऋषभ पंत जब क्रीज पर आए तो उनके खिलाफ सौराष्ट्र के कप्तान जयदेव उनादकट ने स्पिन का जाल बिछा दिया। जडेजा को युवराज सिंह डोडिया, धर्मेंद्र जडेजा और रवींद्र जडेजा ने गेंदबाजी की। पंत ने युवराज की गेंदों पर 8 गेंदो में 8 रन बनाए। धर्मेंद्र जडेजा की गेंद पर वो 3 गेंद में 1 रन बनाने में कामयाब रहे। रवींद्र जडेजा के खिलाफ पंत ने एक चौका लगाया लेकिन यही अनुभवी गेंदबाज उन्हें फंसाने में कामयाब रहा। जडेजा पूरे मैच में छाए रहे। उनकी घूमती गेंदों के आगे दिल्ली के बल्लेबाज टिक ही नहीं पाए। दिल्ली की पूरी टीम 75 ओवरों के अंदर ही दो बार ऑलआउट हो गई। पंत का प्रदर्शन देखने आए क्रिकेट फैंस खासा निराश भी दिखे।

बता दें कि बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में क्रिकेट फैंस को पंत से बड़ी पारियों की उम्मीद थी लेकिन वह कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। पहले तीन टेस्ट की 5 पारियों में 37, 1, 21, 28 और 9 के स्कोर बनाए थे। अपने आक्रामक दृष्टिकोण के लिए जाने जाने वाले पंत ने इस सीरीज के दौरान भी अक्सर मैच की स्थिति की परवाह किए बिना आक्रामक शॉट्स को प्राथमिकता दी। एडिलेड डे-नाइट टेस्ट में अपनी पारी की पहली ही गेंद पर उन्होंने तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड को छक्का जड़ा दिया था। फिर चौथे टेस्ट में जब टीम इंडिया को उनकी सबसे ज्यादा जरूरत थी तो वह बड़ा शॉट लगाने के चक्कर में आउट हो गए। उनकी विकेट गिरते ही पूर्व क्रिकेट कप्तान सुनील गावस्कर भी उन्हें स्टुपिड बोलते नजर आए थे।

घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पुजारा ने गहरी छाप छोड़ी

नई दिल्ली। भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने घरेलू और अतंरराष्ट्रीय क्रिकेट दोनो में अपनी गहरी छाप छोड़ी है। चेतेश्वर पुजारा आज अपना जन्मदिन मना रहे है, उनका जन्म 25 जनवरी को गुजरात के राजकोट में हुआ था। क्रिकेट पुजारा के पिता अरविंद पुजारा और चाचा बिपिन पुजारा दोनो ही सौराष्ट्र के लिए रणजी ट्रॉफी मे खेल चुके हैं। हालांकि, 2005 मे मात्र 17 साल की उम्र मे पुजारा ने अपनी मा रीना पुजारा को कैंसर के कारण खो दिया। इस व्यक्तिगत त्रासदी के बावजूद, पुजारा ने क्रिकेट के मैदान पर अपनी दृढ़ता और प्रतिबद्धता से खुद को साबित किया। उन्होंने भारत के लिए 103 टेस्ट मैच खेले है और 7000 से अधिक रन बनाए हैं। घरेलू क्रिकेट में उनकी सफलता ने उन्हे सौराष्ट्र की रीढ़ बना दिया है। रणजी ट्रॉफी 2017-18 मे उन्होंने केवल चार मैचो मे 437 रन बनाए थे। 2019-20 सीजन मे अपना 50वां फर्स्ट क्लास शतक लगाकर उन्होंने अपनी बल्लेबाजी का लोहा मनवाया। चेतेश्वर पुजारा का जीवन क्रिकेट से ही जुड़ा है। उनकी कुल संपत्ति लगभग 24 करोड़ रुपये है। भले ही वह आईपीएल का हिस्सा नही हैं और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मे फिलहाल मौका नही मिल रहा, लेकिन उनकी मासिक आय करीब 15 लाख रुपये है। यह आय घरेलू क्रिकेट और विज्ञापन अभियानो से होती है। पुजारा के पास ऑडी और फोर्ड जैसी लग्जरी कारें हैं, हालांकि उनका कार कलेक्शन बहुत बड़ा नही है। इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज मे उन्हे मौका मिलने की अटकलें भी लगाई जा रही है। उनकी अनुपस्थिति मे भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया मे कई बार संघर्ष करते हुए देखा गया है, जो उनकी उपयोगिता को रेखांकित करता है। चेतेश्वर पुजारा केवल एक बल्लेबाज नही, बल्कि भारतीय क्रिकेट के दीवार है, जिन्होंने अपने धैर्य और दृढ़ता से क्रिकेट प्रेमियो के दिलो मे खास जगह बनाई है। पुजारा फिलहाल भारतीय टीम से बाहर है, लेकिन घरेलू क्रिकेट मे उनके निरंतर अच्छे प्रदर्शन के कारण उनकी वापसी की संभावनाओं को खारिज नही किया जा सकता।

अब क्रिकेट और हो जाएगा रोचक, एक गेंद पर दो विकेट

-बीबीएल बना रहा, डबल प्ले रन-आउट और नामित हिटर वाला नियम

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के टी20 टूर्नामेंट बिग बैश लीग के आगामी सीजन में डबल प्ले रन-आउट और नामित हिटर जैसे नए नियम आ सकते हैं जिससे मैचों को और रोचक बनाया जा सके। एक रिपोर्ट में कहा गया कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के कई स्रोतों ने पुष्टि की है कि बीबीएल15 के लिए कई अहम नियमों में परिवर्तन के लिए उच्च-स्तरीय चर्चा हुई थी। यदि दो बल्लेबाज अपनी क्रीज से बाहर हैं तो डबल-प्ले नियम के तहत दोनों छोर से बेल्स को हटाया जा सकता है। यह एक साहसिक बदलाव होगा जिसके लिए खिलाड़ियों और प्रसारकों की सहमति की जरुरत होगी।

इसके अलावा नामित हिटर नियम होगा, जिसके तहत विरोधी टीमों को एक खिलाड़ी को नामांकित करने की अनुमति होगी जो केवल बल्लेबाजी करेगा वह क्षेत्ररक्षण नहीं कर सकेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि हितधारकों के साथ आधिकारिक परामर्श अभी तक नहीं हुआ है, लेकिन कुछ बेहतरीन क्रिकेटर काम के बोझ को कम करके प्रतियोगिता की गुणवत्ता में सुधार करके प्रीमियर टूर्नामेंट को और बेहतर बनाने के लिए काम कर रहे हैं।

एक और नई खोज की जा रही है, जिसमें एक छोर से 12 गेंदें फेंकने वाली टीमों के साथ अंतिम बदलावों की संख्या आधी कर दी है और कप्तान के पास एक ही गेंदबाज को लगातार 12 गेंदें फेंकने की इजाजत देने का ऑप्शन होगा। सिडनी सिक्सर्स के बल्लेबाज जॉर्डन सिल्क से जब पूछा गया कि क्या तेज गेंदबाजों के लिए 12 गेंदें फेंकना ज्यादा बोझ होगा, तो उन्होंने कहा वे नेट्स में ऐसा करते हैं। यह एक दुर्लभ घटना हो सकती है जहां आप इसे घटित होते देखेंगे।

शनि ट्रॉफी में क्रिकेटरों का रोमांचक मिक्सअप देखने को मिलेगा

नई दिल्ली। फरवरी 2025 में लखनऊ में होने वाले शनि ट्रॉफी मे स्पिनर युजवेंद्र चहल, बल्लेबाज रियान पराग और ऑलराउंडर राहुल तेवतिया हिस्सा लेंगे। शनि ट्रॉफी मे रिटायर्ड दिग्गज, मौजूदा रणजी ट्रॉफी खिलाड़ी और राज्य स्तरीय क्रिकेटरो का रोमांचक मिक्सअप देखने को मिलेगा। इसमें भारतीय क्रिकेट की बेहतरीन प्रतिभाएं एक ही मंच पर नजर आएंगी। शनि ट्रॉफी मे 10 प्रतिस्पर्धी टीमें होंगी, जो 25 ओवर के अनोखे फॉर्मेट मे मुकाबला करेंगी। हर दिन दो मैच खेले जाएंगे, एक सुबह और दूसरा दोपहर/शाम के सत्र में, जिससे फैंस को लगातार एक्शन देखने को मिलेगा। इस इवेंट की प्रतिष्ठा को और बढ़ाते हुए पूर्व भारतीय क्रिकेटर और पूर्व बीसीसीआई चयनकर्ता चेतन शर्मा को शनि ट्रॉफी का ब्रांड एंबेसडर घोषित किया गया है। इसके अलावा भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आधिकारिक रूप से इस टूर्नामेंट को मंजूरी दे दी है। टूर्नामेंट के बारे में बात करते हुए शनि ट्रॉफी के अध्यक्ष और दिव्या फ्यूचर स्पोर्ट्स के प्रबंध निदेशक श्री सुमित शुक्ला ने कहा, 'हम उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) और क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ लखनऊ के साथ मिलकर इस अनोखे फॉर्मेट को जीवंत करने के लिए उत्साहित हैं।

वरुण चक्रवर्ती ने माना- आईपीएल से ज्यादा मुश्किल है सैयद मुश्ताक अली टूर्नामेंट

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने शुक्रवार को कहा कि सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का स्तर आईपीएल के बराबर है और क्रिकेटरों को टी20 प्रारूप में अपना खेल बेहतर करने के लिए और घरेलू टूर्नामेंट खेलना चाहिए। चक्रवर्ती ने कोलकाता में इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच में तीन विकेट लेकर भारत की जीत में अहम योगदान दिया था। उन्होंने दूसरे मैच से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि घरेलू क्रिकेट का स्तर काफी ऊंचा है। मैं कहूंगा कि आईपीएल या बाकी अंतरराष्ट्रीय मैचों के बराबर। मैं सभी को सलाह दूंगा कि सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी खेलें क्योंकि हम छोटे मैदानों पर खेलते हैं। यह काफी चुनौतीपूर्ण है। उन्होंने कहा कि मुझे सैयद मुश्ताक अली टूर्नामेंट खेलना काफी कठिन लगता है। इसे खेलने से मेरे प्रदर्शन में सुधार आया है।

चक्रवर्ती ने इस सत्र में विजय हजारे ट्रॉफी में 18 विकेट लिए और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में सात मैचों में 9 विकेट चटकाए। टी20 क्रिकेट में अपनी तैयारियों के बारे में उन्होंने कहा कि सबसे पहले मैं बल्लेबाजों के वीडियो देखता हूं कि वे शुरू में कैसे शॉट खेलते हैं और बाद में कैसे। उन्होंने कौन से नए शॉट खेलना शुरू किया है। मैं यह सब विश्लेषण करता हूं। उन्होंने कहा कि पिच को देखते हुए कुछ शॉट चलते हैं और कुछ नहीं। यह सब ध्यान में रखकर मैं तैयारी करता हूं।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के लिये उन्हें तीन साल इंतजार करना पड़ा लेकिन उन्होंने दिल छोटा नहीं किया। उन्होंने कहा कि जब 2021 में मुझे बाहर किया गया तो मुझे अपने खेल के मानसिक पहलू और तकनीक पर काम करने का काफी मौका मिला। मैंने अपनी गेंदबाजी में काफी बदलाव किया। अब मैं हर मौके का पूरा फायदा उठाना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि जीजी (गौतम गंभीर) और सूर्या (कुमार यादव) यह सुनिश्चित करते हैं कि खिलाड़ियों पर बाहरी दबाव नहीं हो। वे बाहर की आवाजों को भीतर नहीं आने देते।

समाचार गेट
TITLE CODE : HARHIN11569
स्वामी (मुद्रक, प्रकाशक) रवीना यादव द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर-6, नोएडा 201301, उत्तर प्रदेश से मुद्रित करवाकर कार्यालय मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) से प्रकाशित किया। संपादक: कृष्णा शर्मा। संपादकीय कार्यालय: मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) पीआरपी एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा। कानूनी सलाहकार: वृहमदत्त शर्मा, 9818180269, ईमेल : krishna24news@gmail.com

रेडक्रॉस सोसायटी व रोटरी ब्लड बैंक/रोटरी क्लब की एक ही प्लेटफार्म पर कार्य करने की पहल

रेडक्रॉस सोसायटी हरियाणा राज्य शाखा के उपाध्यक्ष अंकुश मिगलानी की अध्यक्षता में हुआ कार्यक्रम

गुरुग्राम व फरीदाबाद के रेडक्रॉस सोसायटी सचिव को राज्यपाल ने किया सम्मानित

समाचार गेट/ब्यूरो

गुरुग्राम। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी हरियाणा राज्य शाखा के उपाध्यक्ष अंकुश मिगलानी की अध्यक्षता में शनिवार को रोटरी ब्लड बैंक/रोटरी क्लब व रेडक्रॉस सोसायटी को एक ही प्लेटफार्म पर कार्य करने के लिए फरीदाबाद में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि हरियाणा के राज्यपाल बडांरु दत्तात्रेय ने रेडक्रॉस सोसायटी व रोटरी ब्लड बैंक व रोटरी क्लब के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी हरियाणा के उपाध्यक्ष अंकुश मिगलानी द्वारा इस पहल की काफी प्रशंसा की।

इस अवसर पर भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी हरियाणा राज्य शाखा के उपाध्यक्ष अंकुश मिगलानी ने रोटरी ब्लड व रोटरी क्लब के साथ आगे काम की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने रेडक्रॉस सोसायटी की गतिविधियों को आगे बढ़ाने पर जोर दिया। इस अवसर पर रेडक्रॉस सोसायटी गुरुग्राम सचिव विकास कुमार, रेडक्रॉस फरीदाबाद के सचिव बिजेंद्र सरोत को राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय ने प्रशंसनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया। इस अवसर पर रेडक्रास सोसाइटी व रोटरी क्लब के अधिकारीगण ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट किया व विश्वास दिलाया कि सेवा भाव के साथ जरूरतमंदों की जरूरत को पूरा करने का प्रयास किया जाएगा।

दादा-दादी जी को बेटी पूर्वी गोयल (सेक्टर 2, बल्लभगढ़) की तरफ से शादी की सालगिरह की अनंत मंगलकामनाएं। भगवान से प्रार्थना है कि आप दोनों का आशीर्वाद हमेशा हम सभी पर बना रहे।

-समाचार गेट